हरिभूमि
जशपुर-रायगढ़ भूमि
बिलासपुर, सोमवार, 16 मार्च 2026
पत्थलगांव | कुनकुरी | बगीचा | फरसाबहार | कांसाबेल | दुलदुला | मनोरा

तापमान
अधिकतम 31.2 डिग्री
न्यूनतम 19.2 डिग्री

4
उम्मीद और विश्वास के साथ आवेदन लेकर शिविर में पहुंच रहे लोग

खबर संक्षेप

शांति भवन चर्च में आध्यात्मिक साधना कार्यक्रम

जशपुरनगर। शांति भवन चर्च में चालीसा काल पर तीन दिवसीय आध्यात्मिक साधना का कार्यक्रम 13,14 एवं 15 मार्च को आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में विश्वासियों ने भाग लेकर प्रार्थना, वचन-चिंतन और आत्मिक मनन के माध्यम से अपने जीवन में आध्यात्मिक उन्नति की ओर कदम बढ़ाया। इस आध्यात्मिक साधना के दौरान पापों से पश्चाताप, आत्मिक शुद्धता और परमेश्वर के साथ संबंध को मजबूत करने के विषयों पर विशेष संदेश दिए गए। वक्ताओं ने चालीसा काल के महत्व को समझाते हुए कहा कि यह समय आत्म-चिंतन, उपवास, प्रार्थना और प्रभु के प्रति समर्पण का समय है, जिसमें मनुष्य अपने जीवन को सुधारने और परमेश्वर की इच्छा के अनुसार चलने का संकल्प लेता है। कार्यक्रम को सफल बनाने में काथलिक सभा, महिला संघ, युवा संघ, लोयोला सेवा समिति और (संरक्षक) फादर पारिस प्रीस्ट फुलजेंस एक्का की मुख्य भूमिका रही। मुख्य वक्ता के रूप मे भाई अगस्तुस गुड़िया (रांची) का विशेष योगदान रहा।

आकाशीय बिजली गिरने से पंच की मौत

जशपुरनगर। ग्राम पंचायत चम्पा के वार्ड क्रमांक 16 की वार्ड पंच जासिंता पैकरा पति– कलिंद पैकरा की रविवार शाम आकाशीय बिजली की चपेट में आने से मौके पर ही मौत हो गई। इस घटना से पूरे गांव में शोक का माहौल है। प्राप्त जानकारी के अनुसार रविवार की शाम अचानक मौसम खराब हो गया और क्षेत्र में तेज गरज-चमक के साथ बारिश शुरू हो गई। इसी दौरान आकाशीय बिजली गिरने से जासिंता पैकरा उसकी चपेट में आ गईं, जिससे उनकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई।घटना की जानकारी मिलते ही परिजन और ग्रामीण मौके पर पहुंचे। वार्ड पंच के असामयिक निधन से परिवार में मातम छा गया है और पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई है। ग्रामीणों ने बताया कि जासिंता पैकरा अपने वार्ड की सक्रिय और लोकप्रिय जनप्रतिनिधि थीं। वे सामाजिक कार्यों और गांव के विकास कार्यों में हमेशा आगे रहती थीं।घटना की सूचना स्थानीय प्रशासन को दे दी गई है। ग्रामवासियों और जनप्रतिनिधियों ने इस दुखद घटना पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदना प्रकट की है।

करंट की बाड़ लगाने वाला आरोपी भेजा गया जेल, फारेस्ट गार्ड निलंबित

प्रतापपुर। करंजवार जंगल में दंतैल से अपनी गेंहू की फसल सुरक्षा के लिए करंट की बाड़ लगाने वाले आरोपी किसान रामलाल पिता जगदीश (55) वर्ष को वन अधिकारियों ने वन्यजीव संरक्षण अधिनियम के तहत शनिवार को न्यायालय में प्रस्तुत किया जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया है। वन अधिकारियों ने शुक्रवार को आरोपी के घर के पास रखे पैरावट से खेत तक बिजली पहुंचाने के लिए उपयोग किए गए विद्युत तार व बाड़ में लगाए गए जीआई तार को बरामद किया था। देर शाम अधिकारियों ने आरोपी किसान को गिरफ्तार कर पूछताछ किया तो आरोपी ने फसल की सुरक्षा के लिए करंट की बाड़ लगाने का आरोप स्वीकार किया। वन अधिकारियों ने वन्यजीव संरक्षण अधिनियम के तहत मामला पंजीबद्ध कर आरोपी किसान को गिरफ्तार किया था। देर होने के कारण शुक्रवार को उसे कोर्ट में पेश नहीं किया जा सका था। शुक्रवार को वन अमले ने आरोपी को कोर्ट में प्रस्तुत किया जहां से उसे न्यायिक हिरासत में भेजा गया है। इधर करंट से दंतैल की मौत होने के मामले में डीएफओ दुलेश्वर साहू ने फॉरेस्ट गार्ड जीतन सिंह को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है साथ ही वन परिक्षेत्राधिकारी को नोटिस जारी कर 2 दिन के भीतर जवाब तलब किया है। उल्लेखनीय है कि लगातार हो रही इस तरह की घटनाओं की समीक्षा करने की जरूरत है तथा विभाग के सोशल मीडिया ग्रुप तक सिमटे वरिष्ठ अधिकारियों को भी अपनी भूमिका का निर्वहन करने की जरूरत है।

नारायणपुर, सेनद्रिमुंडा और बेने के जंगलों में लगातार आग

स्टेट हाइवे से दिख रहा धुआं, जंगलों में धधकती आग की लपटें

हरिभूमि न्यूज ⏭ जशपुरनगर

■ गश्त के दावे हवा-हवाई, वन संपदा जलकर हो रही खाक

जिले का प्रसिद्ध बादलखोल अभयारण्य इन दिनों आग की लपटों में सुलगता नजर आ रहा है। हालात इतने बिगड़ चुके हैं कि स्टेट हाईवे से गुजरने वाले राहगीरों को भी जंगलों से उठता धुआं साफ दिखाई देने लगा है। नारायणपुर, सेनद्रिमुंडा और बेने क्षेत्र के जंगलों में लगभग रोज आग लगने की घटनाएं सामने आ रही हैं।

सबसे हैरानी की बात यह है कि इतनी गंभीर स्थिति के बावजूद वन विभाग का अमला लगभग मूकदर्शक बना हुआ है। जंगलों में दिन हो या रात, आग की घटनाएं सामने आ रही हैं, लेकिन जिम्मेदार अधिकारी और कर्मचारी समय रहते उसे रोकने या आग लगाने वालों पर कार्रवाई करते नजर नहीं आते। इससे साफ तौर पर विभागीय कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े होने लगे हैं। दरअसल इन दिनों महुआ का सीजन चल रहा है। महुआ बीनने में आसानी के लिए कुछ असामाजिक तत्व जानबूझकर पेड़ों के नीचे सूखी घास और खरपतवार में आग लगा देते हैं। शुरुआत में यह आग छोटी होती है, लेकिन तेज हवा और सूखे पत्तों के कारण देखते ही देखते पूरे जंगल में फैल जाती है। इससे महुआ के पेड़ों के नीचे उगने वाले छोटे पौधे, वनस्पतियां और कई प्रकार की जैव विविधता जलकर नष्ट हो जाती है। ग्रामीणों का कहना है कि अगर वन विभाग के रेन्जर, सर्किल दरोगा, नाकेदार, वन रक्षक और फायर वाचर नियमित रूप से जंगलों में सुबह-शाम गश्त करें तो आग लगाने वालों पर काफी हद तक अंकुश लगाया जा सकता है। लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि कई जगहों पर वन अमले की गश्त सिर्फ सड़कों तक ही सीमित रह जाती है। जंगल के अंदर जाकर निगरानी करने की गंभीरता दिखाई नहीं देती।

असामाजिक तत्व एवं महुआ बना आग का कारण

जंगलों से महुआ बिनामही सबसे बड़ी वजह है कि असामाजिक तत्व बेखौफ होकर जंगलों में आग लगाने का काम कर रहे हैं। उन्हें इस बात का डर ही नहीं रह गया है कि कोई कार्रवाई होगी। परिणामस्वरूप हर साल महुआ सीजन में बड़ी मात्रा में वन संपदा जलकर राख हो जाती है और जंगल का घनत्व लगातार कम होता जा रहा है। विभागीय व्यवस्था पर भी सवाल उठ रहे हैं। जानकारी के मुताबिक कई जगहों पर एक ही नाका को दो से तीन बिट का चार्ज दे दिया गया है। ऐसे में एक नाकेदार के लिए इतने बड़े इलाके की निगरानी करना बेहद मुश्किल हो जाता है। जब एक साथ कई

हरियाली पर गंभीर संकट

जंगलों में लगने वाली आग से सिर्फ पेड़ों के नीचे की घास ही नहीं जलती, बल्कि कई छोटे पौधे और वन्य जीवों का प्राकृतिक आवास भी नष्ट हो जाता है। लंबे समय तक ऐसी स्थिति बनी रही तो बादलखोल अभ्यारण्य की जैव विविधता और हरियाली पर गंभीर संकट खड़ा हो सकता है। वन विभाग की ओर से समय-समय पर ग्रामीणों से जंगलों में आग नहीं लगाने की अपील जरूर की जाती है, लेकिन जमीनी स्तर पर इसका असर बहुत कम दिखाई देता है।असामाजिक तत्व हर साल महुआ सीजन में आग लगाने की घटनाओं को अंजाम देते हैं और विभागीय लापरवाही के कारण उनका मनोबल और बढ़ता जा रहा है।

वन विभाग की तत्परता से टली बड़ी वन क्षति

■ जशपुर वनमंडल में दो स्थानों पर लगी आग पर रातों-रात पाया गया नियंत्रण

जशपुर वनमंडल अंतर्गत दो अलग-अलग स्थानों पर लगी वनाग्नि को वन विभाग ने समय रहते नियंत्रित कर लिया है। इसके फलस्वरूप बड़ी वन क्षति होने से बचाव हो गया है। यह कार्यवाही डीएफओ जशपुर के निर्देशन में की गई।

वनमंडलाधिकारी जशपुर शशिकुमार ने बताया कि 14 मार्च 2026 की रात्रि में दुलदुला वन परिक्षेत्र के रानीबंध क्षेत्र तथा बगीचा वन परिक्षेत्र के अहिनमाड़ा जंगल में आग लगने की सूचना दूरभाष के माध्यम से वन विभाग को प्राप्त हुई। सूचना मिलते ही वन विभाग का अमला तत्काल सक्रिय हो गया और मौके पर पहुंचकर आग पर नियंत्रण के लिए कार्यवाही प्रारंभ की गई। दुलदुला वन परिक्षेत्र अंतर्गत रानीबंध क्षेत्र में आग लगने की सूचना मिलते ही परिक्षेत्र के वन अमले ने तत्काल मौके पर पहुंचकर रात्रि में ही त्वरित प्रयास करते हुए आग पर सफलतापूर्वक नियंत्रण प्राप्त कर लिया। इसी प्रकार बगीचा वन परिक्षेत्र के अहिनमाड़ा जंगल में आग लगने की सूचना मिलते ही वन परिक्षेत्राधिकारी बगीचा सुश्री यशस्वी मौर्य, प्रशिक्षु भा.व.से. स्वयं वन अमले के साथ मौके पर पहुंचीं। लगातार प्रयास करते हुए रात्रि लगभग 12 बजे तक आग को आसपास के वनों में फैलने से पहले ही नियंत्रित कर लिया गया। वन विभाग की तत्परता और समन्वित प्रयासों के कारण दोनों स्थानों पर आग को शीघ्र नियंत्रित कर लिया गया, जिससे किसी भी प्रकार की बड़ी वन क्षति नहीं हुई। विभाग द्वारा संबंधित क्षेत्रों में लगातार निगरानी और गश्त की जा रही है, ताकि आग की पुनरावृत्ति को रोका जा सके और किसी भी आपात स्थिति में तत्काल कार्यवाही सुनिश्चित की जा सके। वन विभाग द्वारा स्थानीय ग्रामीणों को भी वनों में आग लगने ⏭ शेष पेज 4 पर

गौ तस्करी रोकने 50 से अधिक पुलिस बल के साथ जंगल में उतरे एसएसपी

■ नारायणपुर क्षेत्र के जंगलों में सर्च ऑपरेशन, संभावित रास्ते ब्लॉक

जशपुरनगर। जिले में गौ तस्करी पर प्रभावी रोक लगाने के लिए जशपुर पुलिस ने बड़ा अभियान चलाया है। डी आई जी एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. लाल उमेद सिंह के निर्देशन में थाना नारायणपुर क्षेत्र के जंगलों और संभावित मार्गों पर सघन सर्च ऑपरेशन किया गया। इस दौरान एसएसपी स्वयं लगभग 50 से अधिक पुलिस बल के साथ ग्राम किनकेल, खरवाटोली और पाकरकुंदर के जंगलों में पैदल पहुंचकर गौ तस्करी के संभावित रास्तों का निरीक्षण किया। पुलिस ने इन मार्गों को चिन्हित कर कई रास्तों को ब्लॉक ⏭ शेष पेज 4 पर

पुलिस मितान टीम का गठनः अभियान के दौरान एसएसपी डॉ. लाल उमेद सिंह ने किनकेल, चट्टानपारा और पाकरकुंदर में "पुलिस मितान टीम" का गठन किया। यह टीम क्षेत्र में गौ तस्करी सहित अन्य आपराधिक गतिविधियों की सूचना पुलिस को उपलब्ध कराएगी, ताकि समय रहते प्रभावी कार्रवाई की जा सके।

प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क निर्माण में अनियमितता

जशपुरनगर। जिले के बगीचा अनुविभाग में पीएमजीएसवाई द्वारा पीएम जनमन योजना के तहत करोड़ों रूपए के लागत से बनी प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क अनियमितता की भेंट चढ़ गई। यह सड़क अभी कुछ माह पहले ही बनकर तैयार हुई थी लेकिन विभाग के अधिकारियों की लापरवाही, उदासीनता एवं ठेकेदार के गुणवत्ताहीन कार्य के चलते यह सड़क उखड़ने लगी है। पहाड़ी कोरवा बस्ती के ग्रामीणों ने विधायक रायमुनी भगत को फोन कर इसकी सूचना दी। विधायक रायमुनि भगत मौके पर पहुंचि और सड़क की गुणवत्ता को देखकर भड़क गई। उन्होंने विभाग के कार्यपालन यंत्री संतोष नाग को वीडियो कॉल में सड़क की दुर्दशा दिखाई और पुनः सड़क को बनाने का निर्देश दिया।

शिक्षक की हार्टअटैक से मौत के बाद सिविल अस्पताल में भटकते रहे परिजन

■ मरीजों व परिजन को नहीं मिलती ड्यूटी डाक्टर की जानकारी

पत्थलगांव। नगर स्थित सिविल अस्पताल अपनी अव्यवस्थाओं पर आंसू बहा रहा है। यहां आने वाले मरीजों व उनके परिजन को न केवल भटकना पड़ता है, बल्कि उचित इलाज व व्यवहार भी नहीं मिल पा रहा है। ताजा घटना में हार्ट अटैक से पीड़ित एक शिक्षक को जब अस्पताल लाया गया तो न यहां कोई डाक्टर मिला और न ही कोई नर्स उपचार के लिए तैयार हुआ। इतना ही नहीं कोई यह बताने वाला भी नहीं मिला कि शिक्षक जीवित हैं या नहीं। परिजन के काफी हाथ पैर मारने के बाद एक डाक्टर ने उनकी मौत की पुष्टि की।

जानकारी के अनुसार सिविल अस्पताल से मात्र 50 मीटर की दूरी में शिक्षक कार्तिककेश्वर निषाद को कार में ही हार्ट अटैक आया। आनन फानन में आसपास मौजूद लोगों ने उन्हें सीपीआर देकर जान बचाने का प्रयास किया और पास में मौजूद सिविल अस्पताल ले गए। अस्पताल के मेन गेट में कार खड़ी कर परिजन डाक्टर की तलाश करने लगे लेकिन वहां न डाक्टर मिला और न ही कोई नर्स मौजूद थी। कार्तिकेश्वर निषाद के परिवार के लोगों ने डाक्टर के संबंध में पता किया, लेकिन कोई जानकारी नहीं मिली। ⏭ शेष पेज 4 पर

गेट पर नहीं मिला कोई

रविवार सुबह 7 बजकर 10 मिनट से सीविल अस्पताल के गेट के पास मौजूद पार्षद अजय अग्रवाल ने कहा कार में बैठे निषाद की हार्ट अटैक से मौत होने के बाद गेट के पास उन्हें लाया गया पर अस्पताल के गेट के पास न कोई अटेंडर या वार्ड बाय मौजूद नहीं था ऊपर परिवार के लोग डॉक्टर या नर्स को बुलाने गए वहां भी कोई नहीं था। गेट के पास मौजूद लोग अन्य डॉक्टरों को फोन करते रहे। सिविल अस्पताल की व्यवस्थाएं आखिर कब सुधरेगी, कैसे और क्यों सरकारी अस्पताल लेकर मरीज आएं। सरकारी अस्पताल की लेट लतीफी के चक्कर में मरीज और उसके परिवार वाले क्या करेंगे कहां भागते फिरेंगे। यह सब देखकर अच्छा नहीं लगता।

ड्यूटी पर कौन पता नहीं चलता

समाजसेवी मुकेश अग्रवाल ने बताया कि कार्तिकेश्वर निशाद की कार में बैठे हार्ट अटैक से मौत हुई। लोगों को इधर उधर भागते देखा। टिंकू सामन्त ने सीपीआर देकर जान बचाने का प्रयास किया पर जान नहीं बचाई जा सकी। अस्पताल के गेट के पास आधे घण्टे से निशाद के परिवार के लोग और मौजूद अन्य लोग डाक्टर और नर्स की खोज खबर करते रहे। हमेशा की तरह किसी का कोई पता नहीं चला। अस्पताल का आपातकालीन चिकित्सा पटल पूरा खाली है। किसकी ड्यूटी है कोई पता नहीं। आठ बजे जो डॉक्टर अस्पताल के गेट के पास आई भी तो किसी तरह की कोई संवेदनशीलता नहीं दिखाई।

नहीं मिलती जानकारी

अस्पताल में ड्यूटी डाक्टर कौन है। इसकी जानकारी कभी किसी को नहीं रहती क्योंकि ड्यूटी बोर्ड खाली रहता है। सिर्फ जिसकी ड्यूटी है उसे ही मालूम रहता है कि आज ड्यूटी किसकी है। बाकी लोगों को अस्पताल में आने वाले मरीज या उनके परिवार जनो को ड्यूटी डाक्टर की जानकारी नहीं रहती। अस्पताल बोर्ड में कभी जानकारी लिखी मिलती ही नहीं।

निरंतर आगे बढ़ रहा है नीरज फाउंडेशन स्कूलः बाजपेयी

पत्थलगांव। नीरज फाउंडेशन स्कूल के फाउंडर नीरज बाजपेयी स्कूल पहुंचकर स्कल की गतिविधियों से अवगत हुए। इस दौरान उन्होंने स्कूल के बच्चों के पालकों से अलग अलग चर्चा कर स्कूल के पढ़ाई से लेकर अन्य गतिविधियों पर चर्चा की।

नीरज फाउंडेशन स्कूल को खुले पूरे 3 वर्ष हो चुके हैं। स्कूल के डायरेक्टर सन्नी भाटिया और हरनिस कौर भाटिया की तारीफ करते हुए नीरज बाजपेयी ने कहा कि शहर के बीच मौजूद स्कूल को उन्होंने अच्छी तरह से स्कूल को मैनेज किया है। व्यवस्थाएं अच्छी बनाई गई है। आगे चलकर इस स्कूल को सीबीएसई स्कूल बनना है जिसके लिए तय मापदंडों का पालन करना बेहद जरूरी है जिसमें डेढ़ एकड़ का प्लाट होना मुख्य बात है जो शहर के बीच में मिल पाना काफी मुश्किल है इसलिए थोड़ा शहर से अगल बगल में जगह देख कर लें जिससे आगे चलकर स्कूल बड़ा स्वरूप से लेकर समस्त स्कूली गतिविधियों शामिल हो संके। इस तरफ काम हो रहा है। मात्र 3 वर्ष में 250 प्लस स्कूली बच्चों का होना ये साबित करता है कि स्कूल छात्रों को अच्छी तरह से पढ़ाते हुए आगे बढ़ रहे हैं। आज से 23 वर्ष पहले राजनांदगांव से शुरू किया हुआ स्कूल विशाल ⏭ शेष पेज 4 पर

एनईएस महाविद्यालय में दो दिवसीय विद्यार्थी शोधशाला का समापन

जशपुर में शोध गंगा का शुभ प्रवाह : डॉ अमरेंद्र

जशपुरनगर। शासकीय रामभजन राय एनईएस स्नातकोत्तर महाविद्यालय में 13 मार्च से आयोजित दो दिवसीय विद्यार्थी शोधशाला का समापन शनिवार को हुआ। इस कार्यशाला का उदेश्य छात्र-छात्राओं को शोध के प्रति संवेदनशील बनाना तथा उन्हें अनुसंधान की मूलभूत अवधारणाओं, पद्धतियों और व्यवहारिक पक्षों से परिचित कराना था।

कार्यक्रम का आयोजन महाविद्यालय द्वारा छत्तीसगढ़ उच्च शिक्षा विभाग, रायपुर के निर्देशानुसार एवं रूसा के वित्तीय सहयोग से किया गया। कार्यशाला के दौरान शोध प्रविधि से जुड़े विभिन्न आयामों, शोध की आवश्यकता, पद्धति तथा शैक्षणिक लेखन की प्रक्रिया पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई।महाविद्यालय के प्राचार्य एवं कार्यशाला के संरक्षक डॉ. अमरेंद्र ने अपने उद्बोधन कहा कि जशपुर में शोधगंगा का शुभ प्रवाह हुआ है। महाविद्यालय में पहली बार ऐसे कार्यशाला का आयोजन हुआ। और हमारा निरंतर प्रयास रहेगा कि छात्र-छात्राओं में शोध संस्कृति विकसित हो, अकादमिक दृष्टि समृद्ध बने और अनुसंधान के प्रति गंभीर अभिरुचि बढ़े।रिसोर्स पर्सन अमित कुमार सहायक प्राध्यापक अर्थशास्त्र, रांची विश्वविद्यालय ने शोध में एआई के उपयोग पर प्रभावी व्याख्यान दिए। रिसोर्स पर्सन डॉ. संजय कुमार यादव, सहायक प्राध्यापक, मार्केटिंग, सर पदमपत सिंघानिया विश्वविद्यालय, उदयपुर, राजस्थान ने आभासी पटल के माध्यम से शोध उपकरणों एवं तकनीकों के विषय में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने विद्यार्थियों को बताया कि आधुनिक शोध में सांख्यिकीय उपकरणों, डिजिटल संसाधनों, सर्वेक्षण पद्धति तथा आंकड़ों के वैज्ञानिक विश्लेषण का महत्वपूर्ण स्थान है। इसी क्रम में डॉ. राजकमल मिश्रा, विभागाध्यक्ष, अंग्रेजी, राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, अंबिकापुर ने शोध अंतराल तथा साहित्य समीक्षा के विषय में विस्तृत व्याख्यान दिया। उन्होंने शोध कार्य में पूर्ववर्ती अध्ययनों के गहन अध्ययन, संदर्भों के उचित उपयोग तथा नवीन शोध दृष्टि के विकास की आवश्यकता पर विशेष बल दिया।

वहीं डॉ. अनिल कुमार सिन्हा, प्राचार्य, राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, अंबिकापुर ने शोध नैतिकता के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने विद्यार्थियों ⏭ शेष पेज 4 पर

साउथ पॉइंट इंग्लिश स्कूल में फॉस्टर किड्स प्ले का शुभारंभ

■ खेल-खेल में शिक्षा पर दिया गया जोर

जशपुरनगर। शहर के साउथ पॉइंट इंग्लिश स्कूल में 14 मार्च को 'फॉस्टर किड्स' प्ले स्कूल का उद्घाटन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नगर पालिका अध्यक्ष अरविंद भगत थे। कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन कर की गई। इस अवसर पर बीईओ कल्पना टोप्पो, एबीओ तुमनु गोसाई, स्कूल के एमडी वी.पी. गुप्ता, एसडीओ विजय गुप्ता, शशि गुप्ता, पार्षद शैलेन्द्री, पार्षद विजेता सहित अभिभावक और स्कूल परिवार के सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत नर्सरी के बच्चों द्वारा प्रस्तुत आकर्षक स्वागत नृत्य से हुई, जिसने उपस्थित अतिथियों और अभिभावकों का मन मोह लिया। इसके बाद प्रशिक्षित शिक्षकों ने 'फॉस्टर किड्स' की अवधारणा और इसके पाठ्यक्रम के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम के माध्यम से बच्चों को खेल-खेल में शिक्षा देने पर विशेष जोर दिया जाएगा, जिससे उनकी रचनात्मकता और आत्मविश्वास का विकास हो सके। एबीओ तुमनु गोसाई ने अपने संबोधन में प्ले-वे लर्निंग पद्धति की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि प्रारंभिक शिक्षा बच्चों के सर्वांगीण विकास की नींव होती है। वहीं मुख्य अतिथि अरविंद भगत ने शिक्षा के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि बच्चों को स्कूल के वातावरण में सहजता और रुचि के साथ सीखने का अवसर मिलना चाहिए।

खबर संक्षेप

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की 22वीं किस्त जारी, सूरजपुर के किसानों को मिले 20.13 करोड़

सूरजपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज गुवाहाटी असम में आयोजित किसान सम्मेलन से प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की 22वीं किस्त का ऑनलाइन अंतरण किया। प्रधानमंत्री ने देशभर के 2,47,14,98 लाख किसानों के खातों में लगभग 498.83 करोड़ रुपये की राशि सीधे हस्तांतरित की गई। जिले के 1 लाख 129 किसानों के आधार सीडेड बैंक खातों में 20.13 करोड़ रुपये की राशि अंतरित की गई, जिससे किसानों में हर्ष का वातावरण है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना अंतर्गत पात्र किसानों को प्रतिवर्ष तीन समान किस्तों में प्रत्येक चार माह पर 2 हजार रुपये की दर से कुल 6 हजार रुपये वार्षिक सहायता राशि दी जाती है। यह राशि किसानों को कृषि आदान सामग्री क्रय करने एवं कृषि कार्यों में सहयोग के लिए प्रत्यक्ष लाभ अंतरण के माध्यम से सीधे खाते में भेजी जाती है। 22वीं किस्त के अवसर पर सरगुजा, सूरजपुर एवं कृषि विज्ञान केंद्र के संयुक्त तत्वावधान में कृषि विज्ञान केंद्र अजिरमा में जिला स्तरीय किसान सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सांसद सरगुजा चिंतामणी महाराज मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। सूरजपुर के सभी 6 विकासखंडों में वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारियों के कार्यालयों में स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं किसानों की उपस्थिति में प्रोजेक्टर व लैपटॉप के माध्यम से किस्त अंतरण का लाइव टेलीकास्ट दिखाया गया। प्रत्येक विकासखंड स्तर पर लगभग 50-60 किसान उपस्थित रहे, जबकि ग्राम पंचायत एवं सहकारी समिति स्तर पर 40 कृषक सम्मिलित हुए।

बतरा में हुई ब्लॉक कांग्रेस की बैठक संगठन विस्तार पर हुई विस्तृत चर्चा

सोनगरा/बिश्रामपुर। संगठन को धार देने और आगामी चुनौतियों के लिए बूथ स्तर तक तैयार करने के उद्देश्य से सलका ब्लॉक कांग्रेस कमेटी की बैठक बतरा में संपन्न हुई। पूर्व भटगांव विधायक पारसनाथ राजवाड़े, ब्लॉक प्रभारी नवीन जायसवाल और वेद प्रकाश मिश्रा की विशेष उपस्थिति में आयोजित इस बैठक में ब्लॉक, मंडल, ग्राम और बूथ स्तर की कमेटियों के गठन और विस्तार पर रणनीति तैयार की गई। बैठक के दौरान ब्लॉक प्रभारियों ने कहा कि प्रदेश नेतृत्व के स्पष्ट निर्देश हैं कि 25 मार्च तक सभी इकाइयों का गठन अनिवार्य रूप से कर लिया जाए। प्रभारियों ने कहा कि इसमें किसी भी प्रकार की देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कार्यकर्ताओं और स्थानीय नेताओं से आपसी समन्वय और आम राय कायम कर ब्लॉक, मंडल और ग्राम समितियों की सूची तैयार करें, ताकि समय रहते प्रदेश मुख्यालय को रिपोर्ट भेजी जा सके। पूर्व विधायक श्री राजवाड़े ने संगठन की मजबूती का मंत्र देते हुए कहा कि संगठन तभी मजबूत होता है जब उसकी जड़ें गहरी हों। सभी कार्यकर्ता अपने-अपने ग्राम, पारा और वार्ड स्तर पर वरिष्ठ कांग्रेसियों के साथ बैठें। नई कार्यकारिणी का विस्तार करते समय समाज के हर वर्ग, जाति और समुदाय के लोगों के नाम व सुझाव शामिल करें। ब्लॉक प्रभारी नवीन जायसवाल और वेद प्रकाश मिश्रा ने भी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि संगठन में हर निष्ठावान कार्यकर्ता को स्थान मिलना चाहिए। बैठक मे अभिषेक श्रीवास्तव, लालजी रजवाड़े, संतोष गुप्ता, राजेंद्र प्रताप सिंह देव, अफरोज खान, सविता, राजकुमार राजवाड़े, रमेश चौधरी ने भी अपने विचार रखे। इस दौरान जनपद पंचायत भैयाथान अध्यक्ष सुलोचनी पैकरा, मनिहारी लाल पैकरा, शैलेश जैन, संजीव सिंह, मनोज साहू, बजरंगी सिंह, अख्तर खान, सरफराज खान, रंगीला, बिहारी जायसवाल, हरिलाल, हुलास, रियाज खान, महिला कांग्रेस अध्यक्ष उर्मिला राजवाड़े सहित जिला, ब्लॉक और मंडल कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

हड़िया शराब व कीटनाशक पीने से गंभीर ग्रामीण की गई जान

अम्बिकापुर। हडिया शराब व कीटनाशक पीने से गंभीर हुए ग्रामीण की मेडिकल कॉलेज अस्पताल में मौत हो गई। सूचना पर पुलिस ने मर्ग कायम किया है। जानकारी के अनुसार जशपुर अंतर्गत ग्राम रजला निवासी जिगनु राम आ. स्व. थोयलो राम (46 वर्ष) 10 मार्च को हड़िया शराब पीकर घर में सो गया जिसके बाद दो-तीन दिन तक नहीं उठा।

नई खनिज नीति के तहत विभाग ने शासन को भेजा है प्रस्ताव

पर्यावरणीय स्वीकृति के अभाव में अटका चार नई रेत खदानें खोलने का प्रस्ताव

हरिभूमि न्यूज ⏭ अम्बिकापुर

नई खनिज नीति के तहत सरगुजा में प्रस्तावित चार नई रेत खदानें शुरू करने का प्रस्ताव अटक गया है। इन खदानों के लिए अभी तक पर्यावरणीय स्वीकृति नहीं मिल पाई है। इधर रेत की वैद्य खदानों की दूरी अधिक होने के कारण तस्कर धड़ल्ले से रेत अवैध उत्खनन एवं परिवहन कर रहे हैं।

खास बात

- ग्राम पंचायत राजापुर, हर्रामार, पोड़ी खुर्द एवं सरगवां में रेत खदान प्रस्तावित

नगरीय क्षेत्र के साथ ही गांव-गांव में चल रहे भवन निर्माण कार्यों के कारण रेत की मांग लगातार बढ़ रही है। संभाग मुख्यालय में लगातार नई-नई आवासीय कॉलोनियां आकार ले रही हैं वहीं विभिन्न वार्डों में बड़ी संख्या में लोग पक्के मकान बनवा रहे हैं। विकासखण्ड मुख्यालयों का भी तेजी से विकास हो रहा है तथा लोग जगह-जगह मकान व दुकान बनवा रहे हैं वही ग्रामीण क्षेत्रों में बड़ी संख्या में प्रधानमंत्री आवास बन रहे हैं। शासन द्वारा भी ठेकेदारों के माध्यम से शासकीय भवनों का निर्माण विभिन्न क्षेत्रों में कराया जा रहा है। रेत प्रमुख निर्माण सामग्री में शामिल है तथा लगातार रेत की मांग बढ़ रही है। पीएम आवास के लिए शासन ने ग्रामीणों को रेत उत्खनन की छूट दे दी है। ग्रामीण अपनी सुविधा के अनुसार आसपास के नदी-नालों से रेत का उत्खनन एवं परिवहन कराते हैं लेकिन नगरीय क्षेत्रों में हो रहे निर्माण कार्यों के लिए आसानी से रेत उपलब्ध नहीं हो पाता। आवश्यकतानुसार लोग रेत परिवहन करने वाले लोगों के माध्यम से रेत खरीदते है। इधर शासन द्वारा अधिकृत रेत खदानों की दूरी अधिक होने के कारण परिवहनकर्ता आसपास के नदी-नालों से रेत का अवैध उत्खनन एवं परिवहन कर रहे हैं। अवैध रेत उत्खनन एवं परिवहन पर प्रभावी नियंत्रण के साथ ही आसानी से लोगों को रेत उपलब्ध कराने के उद्देश्य से खनिज विभाग ने नई खनिज नीति के तहत नई चार रेत खदानें शुरू करने का प्रस्ताव शासन को भेजा था लेकिन पर्यावरणीय स्वीकृति नहीं मिलने के कारण नई रेत खदाने खोलने का प्रस्ताव अधर में चला गया है।

फाइल फोटो

ये हैं प्रस्तावित नई खदानें

खनिज विभाग द्वारा नई नीति के तहत ग्राम पंचायत राजापुर, हर्रामार, पोढ़ी खुर्द एवं सरगवां में नई रेत खदाने खोलने हेतु स्थल चयन कर शासन को प्रस्ताव भेजा गया था। पर्यावरणीय स्वीकृति मिलने के साथ ही अन्य आवश्यक औपचारिकताएं पूरी करने के उपरांत ई नीलामी करने नियमानुसार ठेकेदार से अनुबंध करने की योजना थी। नई रेत खदानें खुलने से शासन के राजस्व में वृद्धि होती है साथ ही लोगों को कम खर्च में रेत आसानी से उपलब्ध हो पाता। नई खदानें खुलने से रेत के अवैध उत्खनन एवं परिवहन पर अंकुश लगता।

सीतापुर में तीन खदानें

शासन द्वारा सीतापुर तहसील अंतर्गत तीन रेत खदानें स्वीकृत हैं। पूर्व में इन खदानों का संचालन ठेकेदारों द्वारा किया जाता था लेकिन पूर्व की कांग्रेस सरकार ने 5 साल के लिए इन रेत खदानों के संचालन की जिम्मेदारी सम्बंधित ग्राम पंचायतों को सौंप दी गई है। संभाग मुख्यालय अम्बिकापुर सहित अन्य तहसील क्षेत्रों की दूरी सीतापुर से अधिक होने के कारण परिवहन खर्च में बेतहाशा वृद्धि हो जाती है। इसका फायदा रेत तस्कर जमकर उठा रहे हैं तथा नदी-नालों से धड़ल्ले से अवैध उत्खनन एवं परिवहन कर मोटी कमाई कर रहे हैं। विकासखण्ड सीतापुर अंतर्गत ग्राम पंचायत प्रतापगढ़, जजगा एवं मोहनपुर की दूरी अधिक होने के कारण आसपास के लोग ही ग्राम पंचायतों द्वारा निर्धारित शुल्क भुगतान कर रेत लेते हैं जबकि दूरस्थ क्षेत्रों के लोग निर्माण कार्यों के लिए अवैध रेत पर निर्भर है।

चल रही है पहल

प्रस्तावित नई रेत खदानों के पर्यावरणीय स्वीकृति की पहल चल रही है। स्वीकृति मिलते ही नियमानुसार आगे की कार्रवाई प्रारम्भ कर दी जाएगी।
-अनिल कुमार साहू, जिला खनिज अधिकारी

दिवंगत-आरक्षक के परिवार को मिली 1 करोड़ की सहायता राशि

हरिभूमि न्यूज ⏭ अम्बिकापुर

ड्यूटी जाने के दौरान सड़क दुर्घटना में दिवंगत हुए जिले के आरक्षक मसत राम पैंकरा के परिजन को पुलिस सैलरी पैकेज योजना के तहत 1 करोड़ रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की गई है। एसएसपी प्रशांत कुमार ठाकुर व एसबीआई रिजनल मैनेजर अविनाश पाणिग्रही दिवंगत आरक्षक के गृहग्राम चकेरी थाना उदयपुर जिला सरगुजा जाकर आरक्षक की धर्मपत्नी कुसुम सिंह को यह राशि चेक के माध्यम से सौंपी।

- ड्यूटी जाने के दौरान हुआ था निधन, पुलिस सैलरी पैकेज के तहत मिली राशि

आरक्षक मसत राम पैंकरा सूरजपुर में आरक्षक के पद पर पदस्थ थे और एसएसपी के गनमैन थे। उनका आकस्मिक निधन 17 सितम्बर 2025 को ड्यूटी जाने दौरान एक सड़क दुर्घटना में हो गया था। इस घटना पर पुलिस विभाग ने गहरा शोक व्यक्त किया था। एसएसपी प्रशांत कुमार ठाकुर ने बैंक अधिकारियों के साथ 13 मार्च को आरक्षक की धर्मपत्नी कुसुम सिंह व परिजन को सांत्वना देते हुए भारतीय स्टेट बैंक शाखा से 1 करोड़ रुपये का चेक प्रदान किया। यह सहायता पुलिस सैलरी पैकेज योजना के अंतर्गत दी गई है। दिवंगत आरक्षक की धर्मपत्नी व परिजन ने आर्थिक सहायता प्राप्त होने पर छत्तीसगढ़ शासन, पुलिस प्रशासन और बैंक प्रबंधन का आभार व्यक्त किया। विदित हो कि आरक्षक की आकस्मिक मृत्यु उपरान्त उनके बड़े पुत्र गणेश प्रसाद को अनुकम्पा नियुक्ति नव आरक्षक के पद पर हुई है। पुलिस सैलरी पैकेज योजना का मुख्य उद्देश्य ड्यूटी पर तैनात पुलिस अधिकारी/कर्मचारी की आकस्मिक मृत्यु होने पर उनके आश्रित परिवार को आर्थिक सुरक्षा और आत्मनिर्भरता प्रदान करना है, ताकि उनका भविष्य सुरक्षित हो सके। इस दौरान डिप्टी मैनेजर प्रेमशंकर सिंह, दिवगंत आरक्षक के पिता बीर सिंह सहित परिजन मौजूद रहे।

गैस एजेंसियों के बाहर लगी लोगों की कतार, उपभोक्ताओं में रोष

अंबिकापुर। गैस सिलेंडर की बुकिंग और सप्लाई को लेकर नियमों में हुए बदलाव के बाद अब गैस एजेंसियों के बाहर लोगों की कतार दिखने लगी है। लोग सिलेंडर लेने के लिए तपती धूप में लाइन लगाकर मशक्कत कर रहे है। इस दौरान अव्यवस्था को लेकर लोगों में खासी नाराजगी है।

- अब बुकिंग के 25 व 45 दिन बाद मिलेगा रिफिल, बदला गया बुकिंग सॉफ्टवेयर

बता दें कि गैस सिलेंडर की बुकिंग को लेकर कुछ नियमों में परिवर्तन किए गए है। नई सॉफ्टवेयर व्यवस्था के अनुसार अब उपभोक्ता एक निश्चित अंतराल के बाद ही अगली रिफिल बुक कर सकेंगे। इसके तहत ग्रामीण क्षेत्रों के उपभोक्ता अपनी पिछली रिफिल प्राप्ति के 45 दिन बाद ही अगली बुकिंग कर पाएंगे, जबकि शहरी क्षेत्रों के उपभोक्ताओं के लिए यह समय-सीमा 25 दिन निर्धारित की गई है। गैस वितरकों को गैस सिलेंडरो की बुकिंग अवधि 45 व 25 दिन के पश्चात केवल ऑनलाइन बुकिंग पर ओटीपी आधारित रिफिल वितरण किये जाने के निर्देश दिए। निर्धारित अवधि से पहले की गई कोई भी बुकिंग सॉफ्टवेयर द्वारा स्वीकार नहीं की जाएगी। लोगों को नई बुकिंग ऑनलाइन या ऑफलाइन कराने को कहा गया है। इसके साथ ही वर्तमान में ऑनलाइन बुकिंग की साईट भी क्रैश हो गई है। ऐसे में उपभोक्ताओं में हड़कंप मचा हुआ है और लोग गैस एजेंसियों की दौड़ लगा रहे है। शहर के गैस एजेंसियों के बाहर उपभोक्ताओं की लम्बी लम्बी कतारें देखने को मिल रही है। लोगों का कहना है कि वे सुबह से कड़ी धूप में लाइन लगाकर खड़े है लेकिन एजेंसियों द्वारा उन्हें गैस नहीं दिया जा रहा है। एजेंसी में एक दो कर्मचारी ही काम कर रहे है जबकि बाहर सैकड़ों लोगों की कतार लगी हुई है। लाइन में लगने के बाद भी लोगों को पंजीयन कराने को बोला जा रहा है जबकि ऑनलाइन बुकिंग नहीं हो रही है। ऐसे में लोगों में भारी आक्रोश है। घरेलू गैस सिलेंडरों की कीमतों में इजाफा और अब नियमों में बदलाव के साथ ही गैस की किल्लत से गैस एजेंसियों के बाहर लोगों की लाइन बढ़ती जा रही है। अपर कलेक्टर सुनील कुमार नायक ने बताया कि घरेलू गैस सिलेंडरों के अवैध व्यावसायिक उपयोग पर संबंधित अधिकारियों और गैस एजेंसी संचालकों को निर्देश दिए कि इस प्रकार की गतिविधियों पर सतत निगरानी रखी जाए। यदि कहीं भी घरेलू सिलेंडरों का व्यावसायिक उपयोग पाया जाता है तो संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

भीषण गर्मी में दोपहर की पाली में परीक्षा, छात्रों-पालकों में नाराज़गी

हरिभूमि न्यूज ⏭ प्रतापपुर/सोनगरा

जिले में बढ़ती गर्मी के बीच कक्षा 9वीं और 11वीं की परीक्षाएं दोपहर की पाली में आयोजित किए जाने से विद्यार्थियों और अभिभावकों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। परीक्षा की समय-सारणी में बार-बार बदलाव कर दोपहर में परीक्षा रखे जाने से छात्रों को तेज धूप और गर्मी के बीच परीक्षा देने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है।

जानकारी के अनुसार जिले में ओपन परीक्षा केंद्रों का हवाला देते हुए पूरे जिले में 9वीं और 11वीं की परीक्षाएं दोपहर की पाली में कराई जा रही हैं। जबकि जिले में गिने-चुने विद्यालय ही ऐसे हैं जहां ओपन परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। बताया जा रहा है कि पूरे जिले में मुश्किल से 7 से 8 विद्यालयों में ही ओपन परीक्षा केंद्र संचालित हैं, लेकिन उन्हीं के आधार पर पूरे जिले के विद्यार्थियों की परीक्षा दोपहर में आयोजित की जा रही है। अभिभावकों का कहना है कि यह व्यवस्था व्यावहारिक नहीं है और इससे विद्यार्थियों के स्वास्थ्य पर भी असर पड़ सकता है। मार्च महीने में ही तापमान लगातार बढ़ रहा है और दोपहर के समय तेज गर्मी पड़ रही है। ऐसे में विद्यार्थियों के लिए गर्मी में परीक्षा देना काफी कठिन हो रहा है। यदि परीक्षा सुबह की पाली में आयोजित की जाए तो विद्यार्थियों को काफी राहत मिल सकती है। कई पालकों ने बताया कि छोटे बच्चों को दोपहर की तेज धूप में परीक्षा केंद्र तक पहुंचने में भी परेशानी हो रही है, जिससे वे शारीरिक रूप से थकान और असहजता महसूस कर रहे हैं। इस मामले को लेकर अभिभावक वर्ग ने जिला शिक्षा अधिकारी से मांग की है कि विद्यार्थियों के हित को ध्यान में रखते हुए परीक्षा की समय-सारणी में संशोधन किया जाए और परीक्षाएं सुबह की पाली में आयोजित की जाएं।

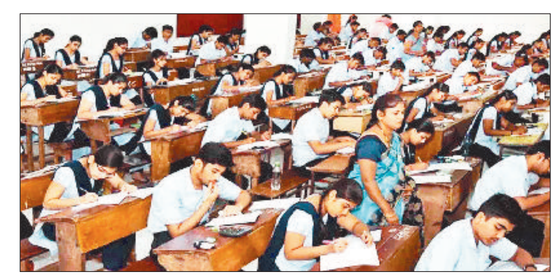

जंगल में आग लगाते युवक गिरफ्तार

अम्बिकापुर। महुआ का सीजन शुरू होते ही ग्रामीण जंगल में आग लगाना शुरू कर दिए हैं। आग से जंगल को हो रही भारी क्षति को देखते हुए वन अमला भी मुस्तैद हो गया है तथा वनकर्मी सुबह-शाम विभिन्न क्षेत्रों का भ्रमण कर जंगल को आग से बचाने की कोशिशें कर रहे हैं। शनिवार को वन अमले ने जंगल में आग लगाने के दौरान एक ग्रामीण को गिरफ्तार किया है।

वन परिक्षेत्र बलरामपुर अंतर्गत पीपराही बीट के रामचौरा जंगल स्थित काठोपानी के पास ग्राम बरदर निवासी संतोष पिता भागीरथी सूखे पत्तों में आग लगा रहा था। इस दौरान जंगल का भ्रमण कर रहे वनकर्मियों ने तत्काल आग को बुझाया एवं आग लगाने वाले युवक को भारतीय वन अधिनियम 1927 की धारा 31 (1) घ एवं वन्यप्राणी संरक्षण अधिनियम की 1972 की धारा 9 के तहत गिरफ्तार किया है। उपवन मण्डलाधिकारी अनिल सिंह पैकरा ने बताया कि ग्रामीणों को महुआ संग्रहण के लिए झाड़ से सूखे पत्ते को हटाने एवं आग नहीं लगाने के संबंध में लगातार जागरूक किया जा रहा है। वन अमला सूखे पत्तों में आग लगाने वाले लोगों पर नजर रख रहा है तथा ऐसे लोगों के विरूद्ध सख्त कार्रवाई की जा रही है।

खाकी वॉरियर्स की टीम ने जीती एजीपीएल टेनिस बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता

हरिभूमि न्यूज ⏭ बिश्रामपुर

नगर के डिपार्टमेंटल कॉलोनी स्थित आजाद ग्राउंड में आयोजित एजीपीएल सीजन-1 टेनिस बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता खाकी वारियर्स की टीम ने जीत ली है,गौरतलब है कि क्रिकेट प्रतियोगिता में नगर और आसपास के क्षेत्रों की 8 टीमों ने हिस्सा लिया,टूर्नामेंट के फाइनल मुकाबले में खाकी वॉरियर्स और डीसीसी डिपार्टमेंटल की मजबूत टीमें आमने-सामने थीं,दोनों ही टीमों ने टूर्नामेंट में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए फाइनल में जगह बनाई,फाइनल मैच में खाकी वॉरियर्स के कप्तान ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया,बल्लेबाजी के लिए उतरी डीसीसी डिपार्टमेंटल की टीम के बल्लेबाजों ने तेज गति से रन बटोरते हुए निर्धारित 10 ओवर में 106 रन बनाए और खाकी वॉरियर्स के सामने 107 रनों का लक्ष्य रखा।

जवाब में 107 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी खाकी वॉरियरर्स की टीम ने संयमित शुरुआत की एवं दबाव में भी शानदार प्रदर्शन करते हुए 10 ओवर में 107 रन बनाकर जीत हासिल कर एजीपीएल सीजन-1 की ट्रॉफी पर अपना कब्ज़ा जमाया ,टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करने वाले मैन ऑफ द सीरीज अरविंद सिंह, मैन ऑफ द मैच मुकेश दर्शन, बेस्ट दशक का खेता इमाम हसन को मिला,विजेता टीम खाकी वॉरियर्स को 41 हजार रुपए नगद पुरस्कार एवं ट्रॉफी प्रदान की गई, जबकि उपविजेता डीसीसी डिपार्टमेंटल को 21 हजार रुपए का नगद पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। टूर्नामेंट के समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में सूरजपुर एसएसपी प्रशांत ठाकुर उपस्थित रहे,उन्होंने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि खेल केवल मनोरंजन का माध्यम ही नहीं, बल्कि युवाओं में अनुशासन, टीम भावना और सकारात्मक ऊर्जा विकसित करने का सबसे प्रभावी साधन है। उन्होंने आयोजकों की सराहना करते हुए भविष्य में भी ऐसे आयोजनों को जारी रखने की बात कही। अन्य अतिथियों में पूर्व भटगांव विधायक पारसनाथ राजवाड़े, कांग्रेस जिला कोषाध्यक्ष राहुल अग्रवाल टिंकू, अजय गोयल, राजेश यादव, रितेश जायसवाल सहित जनप्रतिनिधि और गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। इस पूरे टूर्नामेंट का आयोजन डिपार्टमेंटल क्रिकेट एसोसिएशन के तत्वावधान में किया गया।आयोजन समिति के अध्यक्ष विनोद पटेल और व्यवस्थापक सुशील सिंह ने पूरे टूर्नामेंट की व्यवस्थाओं को संभाला। मैचों में अंपायर की जिम्मेदारी अजीत सिंह, राहुल यादव, शिशिर लंका और मुकेश राणा ने निभाई।आयोजन को सफल बनाने में देव शर्मा, आयुष सिंह, धनंजय, रवि चतुर्वेदी, अविनाश सिंह, सनी सिंह, विक्की देवांगन और संजू सहित अन्य सदस्यों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

नाली की ऊंचाई कम कराने नगरवासी करेंगे एनएच पर चक्का जाम

हरिभूमि न्यूज ⏭ राजपुर

नगर किनारे एनएच द्वारा कराए जा रहे नाली निर्माण की ऊंचाई को लेकर शनिवार को हुई बैठक एक बार फिर असफल साबित हुई। बैठक में विभाग की ओर से कोई भी जिम्मेदार अधिकारी शामिल नहीं हुआ जिससे नगर वासियों में रोष का माहौल है। नगर वासी अब एनएच 343 में चक्का जाम करने की तैयारी में है। नगर में बन रहे नाली की ऊंचाई को लेकर नगरवासियों और सरगुजा सांसद क्षेत्रीय विधायक सहित एनएच के अधिकारियों के साथ कई बार बैठक की गई परंतु नतीजा कुछ नहीं निकला।

शनिवार को भी नगरवासियों ने नाली की ऊंचाई को लेकर स्थानीय रेस्ट हाउस में बैठक आहूत की परंतु इस बैठक में एनएच के अधिकारी या ऐसे कोई भी अधिकारी नहीं पहुंचे जो नगर वासियों को इस बात का भरोसा दे सके कि नाली की ऊंचाई को कम किया जा सके। बैठक में पहुंचे एनएच के टीम लीडर अनिल कुमार सिंह ने साफ कहा कि नगरवासियों को दिल्ली मंत्रालय जाकर नाली की ऊंचाई के संबंध में बात करनी होगी तभी कुछ हो पायेगा अन्यथा जैसा डीपीआर में है वैसा ही निर्माण किया जाएगा। नाली की ऊंचाई को कम करने हेतु कोई हल नहीं निलकता देख नगरवासी भड़क गए जिसके बाद उन्होंने राजपुर एसडीएम के नाम नाली निर्माण के अत्यधिक ऊंचाई के विरोध में चक्काजाम करने ज्ञापन सौंपा है। नगरवासियों ने सात बिंदुओं को लेकर राजपुर एसडीएम के नाम ज्ञापन सौंप तीन दिनों की चेतावनी दी है की यदि नगरवासियों के मंशानुरूप नाली की ऊंचाई को कम नही किया गया तो वृहद आंदोलन करते हुए एनएच 343 में चक्काजाम करने को मजबूर होंगे जिसकी समस्त जिम्मेदारी प्रशासन की होगी। ज्ञापन सौंपने के दौरान नगर पंचायत अध्यक्ष धरम सिंह, प्रवीण अग्रवाल, प्रदीप जायसवाल, राकेश अग्रवाल, रिंकू अग्रवाल, पिंटू अग्रवाल, नरेश अग्रवाल, छोटन गुप्ता, बंटी अम्बष्ट, रजत केसरी, सतेन्द्र अग्रवाल, शुभम सोनी, अभिषेक जायसवाल, भीम बंसल, संजय सोनी, पूरन चंद जायसवाल, सुरेंद्र अग्रवाल, सत्यनारायण अग्रवाल सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

बंद पड़ी ओसीएम खदान से राखड़ चोरी के मामले में सक्रिय हुआ एसईसीएल प्रबंधन

बिश्रामपुर। एसईसीएल बिश्रामपुर क्षेत्र की बंद हो पड़ी ओसीएम खदान की क्वारी नम्बर 1 से फ्लाई ऐश (राखड़) चोरी का मामला प्रकाश में आने के बाद एसईसीएल प्रबंधन सक्रिय हो गया है,खदान से राखड़ चोरी शीर्षक से शुक्रवार को समाचार प्रकाशित होने के बाद क्षेत्रीय महाप्रबंधक डॉ संजय सिंह ने मामले को गंभीरता से लेते हुए कम्पनी क्षेत्रीय सुरक्षा अधिकारी अमरेंद्र नारायण को तलब कर जवाब मांगा है।

- महाप्रबंधक ने क्षेत्रीय सुरक्षा अधिकारी को तलब कर जानकारी मांगी, दिए आवश्यक निर्देश

प्राप्त जानकारी अनुसार महाप्रबंधक को भी सूचना मिली कि कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा खदान क्षेत्र से राखड़ चोरी की घटना को अंजाम दिया गया है। उन्होंने ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने के निर्देश दिए हैं। जानकारी के अनुसार बिश्रामपुर ओसीएम खदान में कोयले का भंडार समाप्त होने के बाद बड़े भू खण्ड के रकबे में बने खतरनाक गड्ढों व गहरे क्वारी को समतल करने के लिए फ्लाई ऐश फिलिंग का कार्य कराया गया,करीब एक वर्ष तक चले इस कार्य में लगभग 13 लाख क्यूबिक मीटर राखड़ से विशाल गड्ढों को भरा गया है,अब इस पर चार फ़ीट की मिट्टी की परत डालकर पौधारोपण करने की योजना बनाई गई है। बता दें कि राखड़ चोरी की सूचना मिलने के बाद एसईसीएल प्रबंधन ने एनटीपीसी को पत्र लिखकर फ्लाई ऐश के ऊपर जल्द मिट्टी भराई कराने को कहा है ताकि आगामी बारिश से पहले पौधारोपण की तैयारी शुरू की जा सके,महाप्रबंधक ने मामले को गंभीरता से लेते हुए कहा कि राखड़ चोरी की घटना दोहराए जाने पर संबंधित लोगों के खिलाफ पुलिस में नामजद शिकायत दर्ज कराई जाएगी

कॉलोनी क्षेत्र के लोगों की मिलीभगत

बताया जाता है कि पिछले डेढ़-दो महीने से एसईसीएल कॉलोनी क्षेत्र के कुछ स्थानीय लोग खदान क्षेत्र में पीसी मशीन,चैन माउंटेन मशीन लगाकर दिनदहाड़े फ्लाई ऐश निकाल रहे थे, इस पूरे मामले में ओसीएम खदान के मैनेजर एवं कम्पनी क्षेत्रीय अधिकारी की भूमिका सवालों के घेरे में है,क्षेत्रीय सुरक्षा अधिकारी हर बार की तरह इस मामले में सब कुछ जानकर भी अनजान हैं,मामले में सुरक्षा अधिकारी अमरेंद्र नारायण ने बताया कि राखड़ चोरी होने की सूचना मिली है, इसके बाद से वे रात को स्वयं गश्ती दल के साथ निगरानी कर रहे हैं, अभी तक स्थल पर कोई बरामदगी नहीं हुई है।

वाहन की टक्कर से गंभीर बाइक सवार की मौत

अम्बिकापुर। मजदूर को उसके गांव छोड़कर बाइक से घर लौट रहे युवक को अज्ञात वाहन के चालक ने लापरवाही पूर्वक चलाते हुए टक्कर मार दी। दुर्घटना में गंभीर हुए युवक की मेडिकल कॉलेज अस्पताल में मौत हो गई। सूचना पर पुलिस ने मर्ग कायम किया है।

जानकारी के अनुसार ग्राम सकालो निवासी परिमल मंडल आ. स्व. प्रफूल मंडल (47 वर्ष) 13 मार्च की शाम बाइक से मजदूर को छोड़ने ग्राम कल्याणपुर गया था। मजदूर को छोड़ कर वापस लौटने लगा तभी सकालो जंगल में अज्ञात वाहन के चालक ने लापरवाही पूर्वक चलाते हुए टक्कर मार दी जिससे युवक गंभीर रूप से घायल हो यगा। इधर मार्ग से गुजर रहे लोगों ने युवक की हालत गंभीर देख परिजन को सूचना दी। सूचना पर परिजन घायल को मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया जहां उपचार के दौरान घायल की मौत हो गई। सूचना पर पुलिस ने मर्ग कायम करने के पश्चात शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजन के सुपुर्द किया है।

'कॉकटेल 2' सिनेमाघरों में 18 मार्च को होगी रिलीज...

मुंबई। शाहिद कपूर, रश्मिका मंदाना और कृति सैनन की तिकड़ी वाली फिल्म 'कॉकटेल 2' लंबे समय से चर्चा में है। पिछले दिनों खबर आई थी कि फिल्म की शूटिंग पूरी हो चुकी है जिसके बाद से फैंस इसकी झलक देखने के लिए उतावले थे। इस बीच, निर्माता मैडॉक फिल्म्स ने 'कॉकटेल 2' से जुड़ा एक बड़ा अपडेट साझा किया है। उन्होंने आधिकारिक ऐलान करते हुए बताया है कि फिल्म की पहली झलक को 'धुरंधर 2' के साथ जारी किया जाएगा। निर्माताओं ने 'कॉकटेल 2' से कृति, रश्मिका और शाहिद की तस्वीरें साझा की हैं जो फिल्म से जुड़ी प्रतीत होती हैं।

लाइफ Style

प्रियंका

'द ब्लफ' ने बनाया 30 करोड़ मिनट का महा-रिकॉर्ड

प्रियंका चोपड़ा ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि उन्हें दुनियाभर के दर्शकों का बेशुमार प्यार क्यों मिलता है। उनकी हालिया रिलीज हॉलीवुड फिल्म 'द ब्लफ' ने स्ट्रीमिंग की दुनिया में झंडे गाड़ दिए हैं।

एजेंसी ⏭ मुंबई

समीक्षकों से मिली-जुली प्रतिक्रिया मिलने के बावजूद अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज होते ही ये फिल्म दुनिया की सबसे ज्यादा देखी जाने वाली स्ट्रीमिंग ओरिजिनल फिल्म बन गई है। प्रियंका ने 'द ब्लफ' में 'ब्लडी मैरी' का एक बेहद उग्र और साहसी अवतार अपनाया है। हालांकि, फिल्म को समीक्षकों से मिली-जुली प्रतिक्रिया मिली, लेकिन स्ट्रीमिंग की रेस में इसने बाजी मार ली है। 'द ब्लफ' दुनियाभर के ओटीटी प्लेटफॉर्म्स पर सबसे ज्यादा देखी जाने वाली ओरिजिनल फिल्म बनकर उभरी है। वैराइटी के मुताबिक, फिल्म ने 'स्ट्रीमिंग ओरिजिनल्सः फिल्म' चार्ट में शीर्ष स्थान हासिल किया है। ये डेटा 27 फरवरी से 5 मार्च, 2026 के बीच की अवधि का है। प्रियंका की इस जीत से उनके प्रशंसक सातवें आसमान पर हैं। 'द ब्लफ' की कहानी कैरिबियन द्वीप के एक खूबसूरत कस्बे में रहने वाली एर्सेल बोर्डन (प्रियंका) के इर्द-गिर्द घूमती है। एर्सेल एक साधारण मछुआरिन की तरह अपने बेटे और ननद के साथ शांति से जीवन बिता रही है, लेकिन ये शांति तब भंग हो जाती है, जब उसके पति, नाविक टीएच बोर्डन (इस्माइल क्रूज कोर्डोवा) को कॉनर (कार्ल अर्बन) नाम का एक क्रूर समुद्री डाकू बंदी बना लेता है।

हॉलीवुड मसाला

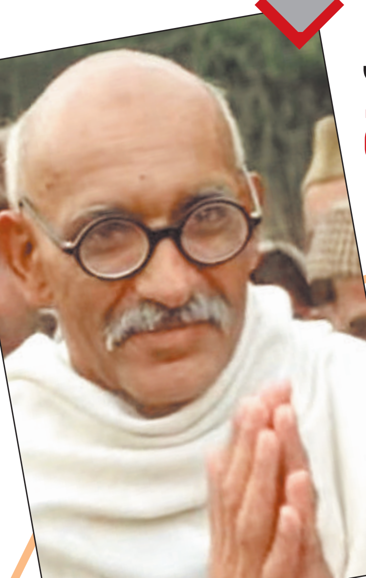

ऑस्कर में बजाया था भारत का डंका

नई दिल्ली। ऑस्कर 2026 का काउंटडाउन शुरू हो चुका है और पूरी दुनिया की नजरें 15 मार्च को होने वाले इस बड़े अवॉर्ड शो पर टिकी हैं। भारत में भी हर साल की तरह इस बार भी ऑस्कर को लेकर काफी एक्साइटमेंट है। इसी बीच एक दिलचस्प सवाल फिर चर्चा में आ गया है कि आखिर वो कौन-सी फिल्म थी जिसने सबसे पहले ऑस्कर के मंच पर भारत का नाम चमकाया था। इसका जवाब है 1982 में आई फिल्म 'गांधी'। महात्मा गांधी की जिंदगी और उनके संघर्ष पर बनी इस फिल्म ने दुनियाभर में खूब तारीफ बटोरी थी।

गेम्स ऑफ थ्रोन्स का जादू कायम मिली 9.7 की ऐतिहासिक रेटिंग

लॉस एंजिल्स। एचबीओ की नई सीरीज 'ए नाइट ऑफ द सेवन किंगडम्स ने दर्शकों को फिर से वेस्टरोस की दुनिया में खींच लिया है। सीरीज का चौथा एपिसोड 'सेवन' आईएमडीबी पर 9.7 की रेटिंग हासिल कर चुका है, जो ना सिर्फ इस सीरीज का अब तक का सबसे ऊंचा स्कोर है, बल्कि पूरे 'गेम ऑफ थ्रोन्स' यूनिवर्स में सबसे अधिक रेटेड एपिसोड्स में से एक बन गया है। यह एपिसोड फरवरी, 2026 को रिलीज हुआ था, जो सुपर बाउल 60 के कारण अपनी नियमित साप्ताहिक रिलीज से पहले आया। दर्शकों की प्रतिक्रियाओं से साफ है कि जॉर्ज आर.आर. मार्टिन की नॉवेला पर आधारित यह प्रीक्वल सीरीज उम्मीदों से कहीं आगे निकल रही है। पहले तीन एपिसोड्स ने दर्शकों को टूर्नामेंट्स, स्क्वायर की मजाकिया बातचीत और हल्के-फुल्के माहौल से परिचित कराया, लेकिन चौथा एपिसोड 'सेवन' ने कहानी को एक गंभीर मोड़ दिया।

क्रांतिकारी महिला की बायोपिक का हिस्सा

मुंबई। अभिनेत्री कंगना रनौत ने अपने राजनीति करियर से समय निकालकर फिल्मी दुनिया में वापसी कर ली है। साल की शुरुआत में खबर आई थी कि वह अपनी 2024 में घोषित फिल्म 'भारत भाग्य विधाता' की शूटिंग में जुट गई हैं। अब एक नई रिपोर्ट में दावा किया गया है कि कंगना अगली फिल्म के लिए बातचीत के दौर में हैं। भारत की पहली क्रांतिकारी महिला जासूस पर आधारित इस बायोपिक का निर्देशन शिवम नायर कर सकते हैं। बॉक्स ऑफिस वर्ल्डवाइड के मुताबिक, कंगना एक फीचर बायोपिक के लिए बातचीत कर रही हैं जिसमें वह नीरा आर्य का किरदार निभाती दिखाई दे सकती हैं। निर्माता शिवम नायर से निर्देशन के लिए संपर्क किया गया है, जिन्हें 'नाम शबाना' और 'द डिप्लोमैट' जैसी फिल्मों के लिए जाना जाता है।

'नागबंधम' के 'नमो रे' गाने का पोस्टर जारी

मुंबई। बेहद चर्चित फिल्म नागबंधम के मेकर्स ने इसके पहले गाने "नमो रे" के प्रोमो रिलीज की तारीख का ऐलान कर दिया है। पूरा गाना 15 मार्च 2026 को रिलीज किया जाएगा। महाशिवरात्रि के शुभ अवसर पर फिल्म का टीज़र आने के बाद से ही इसे लेकर काफी चर्चा है। इस टीज़र ने रिलीज के महज 24 घंटों में 20 मिलियन (2 करोड़) से ज्यादा व्यूज पार कर लिए थे। रिपोर्ट के अनुसार यह 2026 की सबसे ज्यादा इंतजार की जाने वाली फिल्मों में से एक बन गई है। सोशल मीडिया पर यह खबर शेयर करते हुए मेकर्स ने लिखा, "एक पवित्र गूंज आने वाली है और नागबंधन का म्यूजिकल सफर शुरू हो रहा है। पहला सिंगल प्रोमो कल आ रहा है पूरा गाना 15 मार्च को सुबह 11.11 बजे रिलीज होगा। नागबंधन का टीजर काफी पसंद किया गया

टीवी मसाला

'घर जेल' सीक्वेंस में दुख और मज़बूती का संतुलन दिखाना भावुक अनुभव

मुंबई। अभिनेत्री करूणा पांडे का कहना है कि एक अभिनेत्री के तौर पर सोनी सब के शो पुष्पा इम्पॉसिबल के 'घर जेल' सीक्वेंस में दुख और मज़बूती का संतुलन दिखाना उनके लिए भावुक अनुभव रहा। सोनी सब का शो पुष्पा इम्पॉसिबल एक प्रेरणादायक कहानी है पुष्पा (करुणा पांडे) की, जो एक मज़बूत और आत्मनिर्भर महिला है। गृहिणी से वकील बनने तक का सफ़र तय करने वाली पुष्पा ने जिंदगी की सबसे कठिन चुनौतियों का सामना किया है। निजी दुखों के बावजूद वह न्याय की लड़ाई लड़ती है और अपने मूल्यों पर अडिग रहती है, चाहे रास्ता कितना भी मुश्किल क्यों न हो। आने वाले एपिसोड्स में शनाया (मुस्कान बामने) के खिलाफ़ चल रहे केस में कोर्ट का फैसला सबको हैरान कर देगा। सबूतों से साबित होता है कि शनाया की लापरवाह ड्राइविंग की वजह से पुष्पा की बहू, प्रार्थना (पूजा कटुर्दे) की मौत हुई, लेकिन जब कोर्ट शनाया की उम्र को ध्यान में रखता है, तो मामला नया मोड़ लेता है। चूंकि शनाया नाबालिग है, उसे सामान्य जेल की सज़ा नहीं दी जा सकती। इसके बजाय जज एक अनोखा फ़ैसला सुनाते हैं शनाया को 'घर जेल' की सज़ा मिलती है, जिसके तहत उसे पुष्पा की देखरेख में उनके चाल में रहना होगा। यह फ़ैसला पुष्पा के परिवार और पूरे समुदाय को झकझोर देता है। हर कोई उस इंसान को अपने बीच स्वीकार करने को तैयार नहीं है, जिसकी वजह से उन्होंने अपने प्रियजन को खोया। दूसरी ओर, शनाया के लिए चाल की ज़िंदगी में ढलना बेहद मुश्किल है। लेकिन पुष्पा का मानना है कि जवाबदेही के साथ आत्मचिंतन और बदलाव ज़रूरी है। जैसे ही शनाया पुष्पा की दुनिया में कदम रखती है, रिश्तों में तनाव और भावनाओं का तूफ़ान और गहरा हो जाता है। शो में पुष्पा का किरदार निभा रही करुणा पांडे ने कहा कि पूरा कोर्टरूम सीक्वेंस बहुत भावुक है क्योंकि पुष्पा अपनी बहू प्रार्थना के लिए न्याय की लड़ाई लड़ रही है। लेकिन जब फ़ैसला आता है, तो वह किसी ने सोचा भी नहीं था। चूँकि शनाया नाबालिग है, कोर्ट 'घर जेल' का फ़ैसला सुनाता है, जहाँ उसे पुष्पा की देखरेख में रहना होगा। यह स्थिति पुष्पा के लिए बेहद जटिल है। एक माँ के तौर पर और एक इंसान के तौर पर जो न्याय में विश्वास रखती है। इस सीक्वेंस को शूट करते समय मैं लगातार सोच रही थी कि पुष्पा के लिए कितना कठिन होगा उस इंसान के साथ रहना, जो उसे उसकी गहरी पीड़ा की याद दिलाता है।

ऐन वक्त पर पेरिस के बड़े इवेंट से हुईं बाहर

मुंबई। पूर्वी एशिया में बढ़ते तनाव और युद्ध जैसे हालातों का असर अब बॉलीवुड सितारों पर भी दिखने लगा है। सुरक्षा कारणों से उड़ानें रद्द होने के चलते अभिनेत्री दीपिका पादुकोण को अपना पेरिस दौरा रद्द करना पड़ा है। दीपिका एक बड़े अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम में हिस्सा लेने वाली थीं, लेकिन उड़ानें रद्द होने के कारण वो इस इवेंट से पीछे हट गई हैं। दीपिका की टीम ने सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए इस दौरे को रद्द करने का फैसला किया है।

मिडिल ईस्ट में तनाव बना मुख्य कारण

ईरान पर अमेरिका और इजरायल के हमले के बाद उपजे भीषण युद्ध के हालातों का असर अब बॉलीवुड की वैश्विक गतिविधियों पर दिखने लगा है। अभिनेत्री और लग्जरी ब्रांड लुई विटों की ग्लोबल एंबेसडर दीपिका पादुकोण को अपनी पेरिस यात्रा और वहां होने वाले एक बड़े अंतरराष्ट्रीय इवेंट से ऐन वक्त पर पीछे हटना पड़ा है। तनावपूर्ण स्थिति के कारण विमान परिचालन बेहद सीमित कर दिया गया है, जिसके चलते दीपिका की फ्लाइट आखिरी समय पर रद्द कर दी गई।

सब कुछ था तैयार, लेकिन हालात बने रुकावट

सूत्रों के मुताबिक, दीपिका इस कार्यक्रम में शामिल होने के लिए पूरी तरह तैयार थीं। उन्होंने अपने कपड़े फाइनल कर लिए थे और फिटिंग्स भी शुरू हो चुकी थी। हालांकि, पिछले कुछ दिनों में पश्चिम एशिया में बिगड़ते हालातों के चलते उनकी फ्लाइट रद्द कर दी गई। युद्ध की गंभीरता और सुरक्षा जोखिमों को देखते हुए दीपिका ने इस समय यात्रा करना उचित नहीं समझा और आखिरकार इस इवेंट से अपना नाम वापस ले लिया।

दीपिका के पास ये 2 बड़ी फिल्में

दीपिका एक बार फिर शाहरुख खान संग स्क्रीन शेयर करती दिखेंगी। फिल्म में शाहरुख की बेटी, सुहाना खान भी मुख्य भूमिका में हैं। शाहरुख के साथ चेन्नई एक्सप्रेस, ओम शांति ओम, हैप्पी न्यू ईयर और पठान जैसी फिल्मों में काम करने के बाद दीपिका एक बार फिर बॉक्स ऑफिस पर धमाका करने को तैयार हैं। उधर साउथ के मशहूर निर्देशक एटली की अगली फिल्म भी दीपिका के पास है, जिसमें उनकी जोड़ी पहली बार अल्लू अर्जुन के साथ बनी है।

धुरंधर 2 में यादगार किरदार निभाते आएंगी नजर...

मुंबई। रणवीर सिंह की आगामी फिल्म 'धुरंधर 2: द रिवेंज' इस वक्त सोशल मीडिया पर लगातार चर्चा बटोर रही है। एक ओर फैंस इसकी रिलीज तारीख पर नजरें गड़ाए बैठे हैं। दूसरी तरफ इसकी कहानी और किरदार से जुड़ी हर छोटी-बड़ी बातें उनका ध्यान खींच रही हैं। अटकलें तो पहले से हैं कि यामी गौतम 'धुरंधर 2' में दमदार कैमियो के साथ दर्शकों को चौंका देंगी। अब उनके किरदार को लेकर एक ताजा जानकारी हाथ लगी है।

'धुरंधर 2' में क्या होगा यामी गौतम का किरदार?

बॉक्स ऑफिस वर्ल्डवाइड के मुताबिक, 'धुरंधर 2' में यामी का कैमियो एक अस्पताल के दृश्य में होगा। उनकी मौजूदगी क्षणिक नहीं होगी, बल्कि एक महत्वपूर्ण भूमिका होगी। रिपोर्ट के अनुसार, यामी का कैमियो कहानी को एक महत्वपूर्ण मोड़ पर आगे बढ़ाने के लिए रखा गया है। वहीं कुछ रिपोर्ट्स में दावा है कि अभिनेत्री वही खुफिया अधिकारी की भूमिका में दिखेंगी जो उन्होंने विक्की कौशल की फिल्म 'उरी' में निभाया था। हालांकि, इन दावों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

जानिए कब रिलीज हो रही 'धुरंधर 2'

'धुरंधर 2' अगले हफ्ते 19 मार्च, 2026 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में दस्तक देने के लिए तैयार है। यह दिसंबर, 2025 में आई 'धुरंधर' का दूसरा पार्ट है जिससे लोगों को काफी उम्मीदें हैं। ऐसा इसलिए भी क्योंकि पहली किस्त ने दुनियाभर में शानदार प्रदर्शन करते हुए 1340 करोड़ रुपये से ज्यादा कारोबार किया था। यह 2025 की सबसे बड़ी फिल्मों में से एक बनकर उभरी थी। अब देखना होगा कि 'धुरंधर 2' इस रिकॉर्ड तो तोड़ती है या नहीं।

फिल्म रणबाली 1870 के दशक की पृष्ठभूमि पर आधारित

साउथ से बॉलीवुड तक, रश्मिका इन बड़ी फिल्मों से करेंगी बॉक्स ऑफिस पर राज

मुंबई। भारतीय सिनेमा में 'नेशनल क्रश' के नाम से मशहूर रश्मिका मंदाना इन दिनों सफलता के उस मुकाम पर हैं, जहां हर बड़ा फिल्म मेकर उनके साथ काम करना चाहता है। 'पुष्पा: द राइज' की वैश्विक सफलता के बाद, रश्मिका अब रुकने के मूड में नहीं हैं और अब वो अपनी आने वाली कई बड़े बजट की फिल्मों के साथ बॉक्स ऑफिस पर एक बड़ा धमाका करने की तैयारी में हैं। एक नजर रश्मिका की आने वाली चर्चित फिल्मों पर...

'मायसा'

रश्मिका की आगामी फिल्मों की सूची में 'मायसा' एक बेहद खास और चुनौतीपूर्ण प्रोजेक्ट है। ये एक तेलुगू एक्शन ड्रामा है, जिसमें रश्मिका एक ऐसी सशक्त नायक की भूमिका निभा रही हैं, जो पूरी फिल्म की जान और रूह है। इस फिल्म में रश्मिका एक गोंड आदिवासी महिला के रूप में नजर आएंगी। निर्देशक रविंद्र पुल्ले ने रश्मिका के किरदार को काफी बारीकी से गढ़ा है। फिल्म इसी साल के अंत तक सिनेमाघरों में दस्तक दे सकती है।

'रणबाली'

रश्मिका की आगामी फिल्मों में 'रणबाली' खूब चर्चा में है, क्योंकि इसमें वो अपने पति विजय देवरकोंडा के साथ नजर आएंगी। शादी के बाद ये दोनों की साथ में पहली फिल्म होगी। फिल्म 1870 के दशक की पृष्ठभूमि पर आधारित है, जिसमें रायलसीमा के स्वतंत्रता सेनानी रणबाली (विजय) के ब्रिटिश शासन के खिलाफ संघर्ष को दिखाया गया है। रश्मिका 'जयम्मा' के किरदार में हैं, जो एक मजबूत और महत्वाकांक्षी पत्नी है। फिल्म 11 सितंबर, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

'पुष्पा 3: द रैम्पेज'

'पुष्पा' फ्रैंचाइजी की अपार सफलता के बाद दर्शक इसके तीसरे भाग यानी 'पुष्पा 3: द रैम्पेज' का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। फिल्म की कहानी इस बार पुष्पा राज (अल्लू अर्जुन) द्वारा अपने खोए हुए साम्राज्य को फिर से हासिल करने पर केंद्रित होगी, जिसमें रश्मिका का किरदार श्रीवल्ली पहले से कहीं अधिक मजबूत और महत्वपूर्ण भूमिका में दिखाई देगा। फिल्म की शूटिंग 2027 में शुरू होने की उम्मीद है। ये 2028 तक दर्शकों के बीच आ सकती है।

'कॉकटेल 2', 'एनिमल पार्क' और 'AA22xA6'

निर्देशक होमी अदजानिया 'कॉकटेल 2' लेकर आ रहे हैं, जिसमें रश्मिका और कृति सैनन के किरदारों के बीच एक लेस्बियन रिलेशनशिप (समलैंगिक संबंध) को दिखाया जा सकता है। शाहिद कपूर फिल्म के हीरो हैं। फिल्म 11 जून 2026 को सिनेमाघरों में आएगी। उधर 'एनिमल पार्क' में रश्मिका 'गीतांजलि' के रूप में वापसी करेंगी, जो कहानी को आगे ले जाने में बेहद महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। इसके अलावा अल्लू अर्जुन के साथ रश्मिका बड़ी तेलुगू फिल्म AA22xA6 भी लेकर आ रही हैं।

खबर संक्षेप

तमनार का अब होगा कायाकल्प

रायगढ़। औद्योगिक दृष्टि से महत्वपूर्ण तमनार को सुव्यवस्थित, आधुनिक और आकर्षक स्वरूप देने की दिशा में जिला प्रशासन द्वारा लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में कलेक्टर ने तमनार पहुंचकर नगर के विभिन्न चौक चौराहों, बाजार क्षेत्र सहित अन्य प्रमुख स्थलों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया और आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने तमनार के सर्वांगीण विकास के लिए अधिकारियों से चर्चा की। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर चतुर्वेदी ने संबंधित एसडीएम को निर्देशित किया कि तमनार को सुंदर, सुव्यवस्थित और आधुनिक स्वरूप में विकसित करने के लिए समग्र कार्ययोजना तैयार की जाए। इसके अंतर्गत प्रमुख चौक चौराहों के सौंदर्यीकरण, बाजार क्षेत्र के सुव्यवस्थापन तथा आधारभूत सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण पर विशेष ध्यान दिया जाए। कलेक्टर श्री चतुर्वेदी ने कहा कि तमनार एक महत्वपूर्ण औद्योगिक नगर है और यहां का व्यवस्थित विकास होने से स्थानीय लोगों के लिए रोजगार और स्वरोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे। उन्होंने अधिकारियों से नगर के विकास कार्यों को योजनाबद्ध तरीके से आगे बढ़ाने के निर्देश दिए, ताकि तमनार को एक बेहतर और व्यवस्थित नगर के रूप में विकसित किया जा सके।

कुमुद बाई कर रही है मुर्गी और गौपालन

रायगढ़। कभी घर की चारदीवारी तक सीमित रहने वाली धरमजयगढ़ विकासखंड के ग्राम बांझीआमा की श्रीमती कुमुद बाई आज आत्मनिर्भरता की मिसाल बन गई हैं। शासन की महत्वाकांक्षी बिहान योजना ने उनके जीवन को नई दिशा और नया आत्मविश्वास दिया है। कुमुद बाई सूरज महिला स्व सहायता समूह से जुड़ीं। धीरे धीरे उन्होंने घर की चौखट पार कर समाज और समूह के साथ कदम मिलाकर चलना शुरू किया। आज वे न केवल स्वयं बैंक जाकर अपने काम पूरे कर लेती हैं, बल्कि समूह की अन्य महिलाओं को भी बैंक से जुड़े कार्यों में मदद करती हैं। स्व सहायता समूह में नियमित बचत और आपसी सहयोग ने कुमुद बाई को आर्थिक रूप से मजबूत बनने की राह दिखाई। उन्होंने 70 हजार रुपये का ऋण लेकर मुर्गीपालन का कार्य शुरू किया। इसके साथ ही उन्होंने लगभग 40 हजार रुपए की लागत से अंडों से चूजे निकालने वाली मशीन खरीदी। इस मशीन में एक बार में करीब 60 अंडे रखे जा सकते हैं, जिनसे निर्धारित समय के बाद चूजे निकलते हैं। इससे उनकी आय में धीरे धीरे वृद्धि होने लगी और उनके हौसले को नई उड़ान मिली।

भूगोल के विद्यार्थियों का शैक्षणिक भ्रमण

घरघोड़ा। शासकीय महाविद्यालय घरघोड़ा के प्राचार्य डॉ. पीके अग्रवाल के मार्गदर्शन तथा भूगोल विभागाध्यक्ष प्रो. संतोष देवांगन के कुशल नेतृत्व में महाविद्यालय के बीए अंतिम वर्ष भूगोल के विद्यार्थियों के लिए एक दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। कालेज में प्रतिवर्ष भूगोल विषय के विद्यार्थियों को भौगोलिक, पर्यावरणीय एवं सांस्कृतिक स्थलों के प्रत्यक्ष अध्ययन हेतु शैक्षणिक भ्रमण कराया जाता हैए जिससे विद्यार्थियों को पुस्तकीय ज्ञान के साथ साथ व्यावहारिक ज्ञान भी प्राप्त हो सके।

न्यायालय अपर कलेक्टर एवं विशेष विवाह अधिकारी जिला जशपुर (छत्तीसगढ़)
// ईश्तहार //
क्रमांक/1353/वाचक-2/अपर कले./2026
जशपुर, दिनांक 12/03/2026
सर्व साधारण को इस ईश्तहार के जरिये सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री आशिक राम पिता श्री चुलाई राम, उम्र 25 वर्ष, पता निवासी ग्राम बन्दरचुआं, थाना कांसाबेल, तहसील कुनकुरी, जिला जशपुर (छ.ग.) एवं आवेदिका साधना पिता श्री सोहन, उम्र 24 वर्ष, जाति उरांव, पता निवासी ग्राम आमापाली, थाना व तहसील धरमजयगढ़, जिला रायगढ़ (छ.ग.) द्वितीय पक्ष ने विशेष विवाह अधिनियम 1954 की धारा 05 के तहत आवेदन पत्र प्रस्तुत कर आशयित विवाह की सूचना दी गई है। उक्त प्रकरण की सुनवाई दिनांक 08.04.2026 को दोपहर 03:00 बजे मेरे न्यायालय में होगी।
उभयपक्ष के विवाह के संबंध में जिस किसी को आपत्ति करना हो तो निर्धारित तिथि एवं समय के पूर्व स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त आपत्ति पर विचार नहीं किया जाएगा।
आज दिनांक 09.03.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुद्रा से जारी किया गया।
अपर कलेक्टर एवं विशेष विवाह अधिकारी, जिला जशपुर (छ.ग.)

तमनार में आयोजित शिविर में पहुंचे कलेक्टर, स्टॉलों का निरीक्षण कर लिया जायजा

उम्मीद और विश्वास के साथ आवेदन लेकर शिविर में पहुंच रहे लोग

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायगढ़

तमनार में आयोजित जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर आम नागरिकों के लिए समाधान का प्रभावी मंच बनकर सामने आया। यहां लोग केवल आवेदन लेकर ही नहीं, बल्कि उम्मीद और विश्वास के साथ पहुंचे थे। शिविर में विभिन्न विभागों के अधिकारी एक ही मंच पर उपस्थित रहे और आवेदकों की समस्याएं सुनते हुए कई मामलों का मौके पर ही निराकरण किया गया। योजनाओं का लाभ मिलने पर हितग्राहियों के चेहरों पर खुशी साफ झलक रही थी। शिविर में कलेक्टर मयंक चतुर्वेदी स्वयं पहुंचे और विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्राप्त आवेदनों का गंभीरता से परीक्षण कर उनका त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित किया जाए, ताकि आम नागरिकों को शीघ्र राहत मिल सके। शिविर में जिले के विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल लगाकर शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई और आमजनों से आवेदन प्राप्त किए गए। बड़ी संख्या में ग्रामीण अपनी समस्याओं के समाधान और विभिन्न योजनाओं का लाभ लेने के लिए शिविर में पहुंचे। कई मामलों में मौके पर ही निराकरण कर हितग्राहियों को राहत प्रदान की गई।महिलाओं, युवाओं और समाज के सभी वर्गों के हितों को ध्यान में रखते हुए विभिन्न योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जिला स्तरीय शिविर में सभी विभागों के अधिकारी एक ही मंच पर उपस्थित रहते हैं जिससे कई ऐसे कार्य जो सामान्यतः जिला मुख्यालय जाकर कराने पड़ते हैं, वे यहीं आसानी से संभव हो जाते हैं। उन्होंने लोगों से शिविर का अधिक से अधिक लाभ उठाने की अपील की।

खास बातें
- अधिकारियों को आवेदनों का त्वरित व गुणवत्तापूर्ण निराकरण करने के दिए निर्देश

स्टॉल का निरीक्षण करते कलेक्टर।

हितग्राहियों को किया गया सामग्री वितरण

शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा हितग्राहियों को योजनाओं से लाभान्वित किया गया। स्वास्थ्य विभाग द्वारा 5 हितग्राहियों को आयुष्मान कार्ड प्रदान किए गए। मत्स्य विभाग द्वारा 2 हितग्राहियों को मछली पकड़ने के जाल तथा 2 हितग्राहियों को आइस बॉक्स वितरित किए गए। कृषि विभाग द्वारा 6 हितग्राहियों को जैविक कीटनाशक और मृदा हेल्थ कार्ड प्रदान किए गए। जनपद पंचायत तमनार द्वारा 11 हितग्राहियों को राशन कार्ड, 7 हितग्राहियों को पेंशन प्रमाण पत्र तथा प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राहियों को आवास की चाबी प्रदान की गई।

सविता को मिला मछली पकड़ने का जाल

शिविर में योजनाओं का लाभ मिलने पर हितग्राहियों ने खुशी जाहिर की। हितग्राही सविता सिदार ने मछली पकड़ने का जाल प्राप्त होने पर कहा कि पहले मत्स्य व्यवसाय में काफी कठिनाई होती थी, लेकिन अब जाल मिलने से उनके काम में सहूलियत होगी। हितग्राही हरिशंकर साहू ने पेंशन प्रमाण पत्र मिलने पर शासन प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया। वहीं हितग्राही समारू राम ने कहा कि उन्हें मिली छड़ी उनके लिए सहारा बनेगी। शिविर के दौरान आमजनों में उत्साह का माहौल दिखाई दिया।

न्यायालय ने पत्नी के हत्यारे को सुनाई 7 साल की सजा

हरिभूमि न्यूज ⏭ घरघोड़ा

अपर सत्र न्यायाधीश अभिषेक शर्मा ने हत्या के मामले में आरोपी भीष्म तूरी को 7 वर्ष के सश्रम कारावास की सजा सुनाई। एक हजार जुर्माने से दण्डित करने का दण्डा देश सुनाया। अपर लोक अभियोजक राजेश सिंह ठाकुर ने बताया कि थाना कापू अंतर्गत ग्राम कुंभी चूंआ निवासी मृतिका माना बाई के भाई धनीराम तुरी ने 3 फरवरी 2022 को थाना कापू में उपस्थित होकर रिपोर्ट दर्ज कराया की 2 फरवरी 2022 की रात ग्राम कुंभीचूंआ में उसकी दीदी माना बाई जीजा भीष्म तुरी एवं उनकी माता तिलाई बाई आंगन में आग जलाकर ताप रहे थे।

इसी दौरान आरोपी भीष्म तूरी एवं उसकी पत्नी माना बाई के मध्य खाना सब्जी बनाने की बात को लेकर विवाद होने लगाए विवाद इतना बढ़ा कि गुस्से में आकर भीष्म तूरी ने जलता हुआ अंगेठा उठा कर अपनी पत्नी माना बाई के सिर में प्राण घातक हमला कर दिया जिससे माना बाई वहीं घायल हो कर गिर गई और तत्काल वहीं पर उसकी मृत्यु हो गई। उक्त सूचना के आधार पर थाना कापू में मामला दर्ज कर विवेचना प्रारंभ की गई। विवेचना पूर्ण होने पर आरोपी भीष्म तूरी को अपनी पत्नी माना बाई की हत्या करने के मामले में धारा 302 भारतीय दंड संहिता के तहत अभियोग पत्र न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। माननीय न्यायालय द्वारा मामले में विचारण के दौरान प्रकरण के सभी साक्षियों के बयान लेख बद्ध कराए गए तथा उभय पक्ष के तर्क श्रवण कर प्रकरण में गंभीरता पूर्वक विचार करते हुए आरोपी भीष्म तूरी को उसकी पत्नी का गैर इरादतन तरीके से हत्या करने के कारण धारा 302 के स्थान पर धारा 304 भाग 2 के तहत दोषी ठहराते हुए 7 वर्ष के सश्रम कारावास एवं एक हजार के अर्थ दंड से दंडित करने का दण्ड आदेश दिया। न्यायालय ने मृतिका माना बाई के आश्रितों को क्षतिपूर्ति दिए जाने के लिए विधिक सेवा प्राधिकरण को विधिवत कार्यवाही किए जाने की अनुशंसा की है। प्रस्तुत मामले में राज्य की ओर से अपर लोक अभियोजक राजेश सिंह ठाकुर ने पक्ष रखा।

कुनकुरी में दो दिवसीय मंडल प्रशिक्षण वर्ग का आयोजन

जशपुरनगर। भारतीय जनता पार्टी के तत्वावधान में पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान 2026 के अंतर्गत कुनकुरी शहर मंडल द्वारा दो दिवसीय मंडल प्रशिक्षण वर्ग का आयोजन अग्रसेन भवन, कुनकुरी में 14 मार्च को किया गया। कार्यक्रम के प्रथम दिन प्रशिक्षण सत्र का शुभारंभ अतिथियों की उपस्थिति में हुआ।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा जिला अध्यक्ष भरत सिंह को आमंत्रित किया गया था। शुरुआत अतिथियों के आगमन, ध्वजारोहण, दीप प्रज्वलन तथा वंदे मातरम्-राज्य गीत के साथ हुई। इसके पश्चात अतिथियों का स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। प्रशिक्षण वर्ग के विभिन्न सत्रों में विषय विशेषज्ञों द्वारा कार्यकर्ताओं को संगठन की विचारधारा, कार्यपद्धति एवं सरकार की योजनाओं के संबंध में मार्गदर्शन दिया गया। प्रथम सत्र में वैचारिक अधिष्ठान विषय पर मुख्य वक्ता दिनेश गुप्ता (दुलदुला) ने अपने विचार रखे। द्वितीय सत्र में शंभूनाथ चक्रवर्ती ने संगठन की विचारधारा एवं उसके मूल सिद्धांतों पर प्रकाश डाला। तृतीय सत्र में सुनील गुप्ता ने संगठनात्मक कार्यशैली एवं कार्यकर्ताओं की भूमिका पर विस्तार से जानकारी दी। चतुर्थ सत्र में आलोक सारथी ने केंद्र एवं राज्य सरकार की उपलब्धियों और जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी कार्यकर्ताओं को दी। कार्यक्रम में मंडल अध्यक्ष राजकुमार गुप्ता, श्रीनायक मिश्रा,दीपक शर्मा, अमन शर्मा,की विशेष उपस्थिति रही।प्रशिक्षण कार्यक्रम में शहर मंडल , शिव चौहान, पूरन गुप्ता, दीपक हेडा, बॉबी ताम्रकार, शिव गुप्ता,सहित जनप्रतिनिधि, पार्टी के वरिष्ठ कार्यकर्ता, युवा मोर्चा के पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम में पार्टी की विचारधारा, संगठन विस्तार तथा सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को घर-घर तक पहुंचाने पर विशेष जोर दिया गया। प्रशिक्षण वर्ग में उपस्थित सभी कार्यकर्ताओं ने संगठन को और अधिक मजबूत बनाने का संकल्प लिया।

खबर प्रकाशित होने के बाद पूरा हुआ नाली निर्माण

पुसौर। नगर पंचायत पुसौर के वार्ड क्रमांक 2 में प्राइमरी स्कूल से सुन्दरलाल घर तक नाली न निर्माण कर उसका राशि आहरण करने की खबर को प्रमुखता से प्रकाशित किया गया था जिस पर नगर पंचायत पुसौर ने संज्ञान लेते हुए जांच की और वास्तविक सामने आई। नगर पंचायत द्वारा उक्त नाली का नव निर्माण किया जा रहा है जो अब पूर्णता की ओर है। ज्ञात हो उक्त नाली सहित कई बिन्दुओं को लेकर पार्षद ओकेश बेहरा द्वारा शिकायत की गई थी जिसकी पुष्टि हुई और खबर प्रकाश में आया। शिकायत में मिट्टी डालने के बजाय संबंधित काम आज धरातल में मुर्तरूप में देखा जा सकता है। मालूम हो कि साल 2022-23 में उक्त नाली का 3 लाख 8 हजार भुगतान हो गया था।

कहीं किराए तो कहीं उधारी के भवन में संचालित हो रहा आंगनबाड़ी केंद्र

भेजी गई है जानकारी

जर्जर भवनों की जानकारी उच्च कार्यालय को पहले ही भेज दी गई है। जल्द ही मरम्मत कार्य होने की उम्मीद है।
खुर्शीद बानो खान
परियोजना अधिकारी, महिला बाल विकास बरमकेला

हरिभूमि न्यूज ⏭ बरमकेला

बरमकेला ब्लॉक में आंगनबाड़ी केंद्रों की स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। शासन स्तर पर प्रारंभिक शिक्षा और पोषण योजनाओं को लेकर बड़े बड़े दावे किए जाते हैं, लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और ही कहानी बयां कर रही है।

बरमकेला और लेंधरा परियोजना के अंतर्गत संचालित कई आंगनबाड़ी केंद्रों के भवन जर्जर हो चुके हैं, जिससे छोटे बच्चों की सुरक्षा और उनके समुचित विकास को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं। भवनों की खराब स्थिति के कारण कई जगह आंगनबाड़ी केंद्रों को मजबूरी में किराये के मकानों में संचालित किया जा रहा है, तो कई जगह शासकीय स्कूलों के कमरों में कक्षाएं लगाई जा रही हैं। इससे आंगनबाड़ी में संचालित होने वाली प्री स्कूल शिक्षा, पोषण आहार वितरण और अन्य गतिविधियों के संचालन में भी दिक्कतें आ रही हैं।

नीति में महत्व, जमीन पर बदहाल व्यवस्था

राष्ट्रीय शिक्षा नीति में 3 से 6 वर्ष तक के बच्चों की प्रारंभिक शिक्षा को अत्यंत महत्वपूर्ण बताया गया है। नीति के अनुसार आंगनबाड़ी बच्चों की शिक्षा की मजबूत नींव मानी जाती है, जहां से उनके शारीरिक, मानसिक और बौद्धिक विकास की शुरुआत होती है। लेकिन बरमकेला विकासखंड में बड़ी संख्या में आंगनबाड़ी भवनों का जर्जर होना इस नीति की मंशा पर ही सवाल खड़े करता नजर आ रहा है। जब शुरुआती शिक्षा की बुनियाद ही कमजोर होगी तो आने वाली पीढ़ी के भविष्य को लेकर चिंता होना स्वाभाविक है।

कई गांवों में जर्जर हो चुके आंगनबाड़ी भवन

बरमकेला परियोजना के अंतर्गत बरमकेला के तीन, डभरा, भंवरपुर, कारीघाठी, सरिया के तीन, पंचधार, महाराजपुर, छेवारीपाली, बड़ेनवापारा, कोतरा, कोसमदही, बरपाली, मुंगरीपाली, लोधिया, बरगांव, दादरपाली, छोटेनवापारा, लुकापारा 2 और सांकरा 2 आंगनबाड़ी केंद्रों के भवन जर्जर हो चुके हैं। इसी प्रकार लेंधरा परियोजना के अंतर्गत भी 19 आंगनबाड़ी केंद्रों की स्थिति जर्जर बताई जा रही है, जिससे वहां कार्यकर्ताओं और बच्चों को विभिन्न समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। परियोजना अधिकारी, लेंधरा सरोज गुलजार ने बताया कि परियोजना में 142 आंगनबाड़ी केंद्रों में से 19 भवन जर्जर हो चुके हैं। इनके संचालन की वैकल्पिक व्यवस्था किराए के मकानों और कुछ शासकीय विद्यालयों में की गई है।

ग्रामीणों में नाराजगी

स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि वर्षों से आंगनबाड़ी भवनों की मरम्मत नहीं होने के कारण उनकी हालत लगातार खराब होती जा रही है। कई बार जिम्मेदार विभाग को जानकारी देने के बावजूद अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हो सकी है।

फैक्ट फाइल (बरमकेला ब्लॉक)

कुल आंगनबाड़ी केंद्र	-	339
बरमकेला परियोजना	-	157
जर्जर बरमकेला परियोजना	-	23
लेंधरा परियोजना	-	142
जर्जर लेंधरा परियोजना	-	19
कुल जर्जर आंगनबाड़ी	-	42

108 सेवा ठप, पार्षद ने कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

सरसींवा। आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं की रीढ़ मानी जाने वाली 108 एम्बुलेंस सेवा के सरसींवां क्षेत्र में सुचारु रूप से उपलब्ध नहीं होने से बढ़ती जनसमस्याओं को लेकर सरसींवां पार्षद प्रदीप शर्मा ने जनसमस्या निवारण शिविर में कलेक्टर के नाम ज्ञापन सौंपकर समस्या के त्वरित निराकरण की मांग की है।

ज्ञापन में उन्होंने उल्लेख किया है कि सरसींवां शासकीय अस्पताल आसपास के लगभग 45 से 50 गांवों के लिए प्रमुख स्वास्थ्य केंद्र के रूप में कार्य करता है। प्रतिदिन बड़ी संख्या में ग्रामीण मरीज उपचार के लिए यहां पहुंचते हैं। किंतु दुर्घटना, प्रसव पीड़ा अथवा अन्य गंभीर परिस्थितियों में अस्पताल में 108 एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध नहीं होने के कारण मरीजों और उनके परिजनों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।पार्षद शर्मा ने कहा कि आपात स्थिति में समय ही जीवन होता है, क्षेत्र में आये दिन छोटी बड़ी दुर्घटनाएं होती रहती है और ऐसे में एम्बुलेंस सेवा का अभाव कई बार मरीजों के लिए गंभीर संकट का कारण बन जाता है। मजबूरी में परिजनों को निजी वाहनों या अन्य असुविधाजनक साधनों का सहारा लेना पड़ता है, जिससे न केवल समय की हानि होती है बल्कि आर्थिक बोझ भी बढ़ता है। उन्होंने कहा कि सरसींवां जैसे विस्तृत ग्रामीण क्षेत्र में आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं का सुदृढ़ होना केवल सुविधा नहीं, बल्कि जनजीवन की सुरक्षा से जुड़ा अनिवार्य दायित्व है।

सरसींवां स्वास्थ्य केंद्र में उपलब्ध 108 एम्बुलेंस वाहन में इंजन की तकनीकी खराबी आने के कारण उसके सुधार में कुछ समय लग रहा है। आगामी 4-5 दिनों के भीतर वाहन उपलब्ध होते ही सेवा पुनः सुचारु रूप से शुरू कर दी जाएगी।
संजीव शर्मा
जोनल मैनेजर

पृष्ठ 1 का शेष

वन विभाग की ...

से होने वाले दुष्परिणामों के बारे में जागरूक किया जा रहा है तथा उनसे वन संरक्षण में सक्रिय सहयोग करने की अपील की गई है। विभाग ने आम नागरिकों से आग्रह किया है कि वे वनों में आग न लगाएं तथा कहीं भी आग लगने की घटना दिखाई देने पर तुरंत वन विभाग को सूचना दें, जिससे समय रहते आग पर नियंत्रण पाया जा सके। वनाग्नि की सूचना देने के लिए नागरिक संबंधित वन परिक्षेत्र अधिकारियों से सीधे संपर्क कर सकते हैं। इसके लिए सन्ना वन परिक्षेत्राधिकारी का दूरभाष नंबर 9302959850, मनोरा वन परिक्षेत्राधिकारी का नंबर 9893283085, जशपुर वन परिक्षेत्राधिकारी का नंबर 7999374719, दुलदुला वन परिक्षेत्राधिकारी का नंबर 9406042064, तपकरा वन परिक्षेत्राधिकारी का नंबर 6267954237, कुनकुरी वन परिक्षेत्राधिकारी का नंबर 9424182112, कांसाबेल वन परिक्षेत्राधिकारी का नंबर 9098098347, बगीचा वन परिक्षेत्राधिकारी का नंबर 8826088150 तथा पत्थलगांव वन परिक्षेत्राधिकारी का नंबर 8770575577 है। वन विभाग ने कहा है कि वनों में जानबूझकर आग लगाने अथवा आग लगाते हुए पकड़े जाने पर संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध भारतीय वन अधिनियम 1927 की धारा 26 एवं 79 तथा वन्यप्राणी संरक्षण अधिनियम 1972 की धारा 9 के तहत कठोर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

गौ तस्करी रोकने ...

कर दिया है और लगातार निगरानी रखने के निर्देश दिए हैं। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि गौ तस्करी में संलिप्त पाए जाने वाले लोगों के खिलाफ कड़ी वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। सर्च अभियान के साथ ही पुलिस ने कम्युनिटी पुलिसिंग के तहत ग्रामीणों के साथ बैठक कर उन्हें गौ तस्करी, नशे के दुष्प्रभाव और बच्चों की शिक्षा के महत्व के बारे में जागरूक किया। ग्रामीणों से अपील की गई कि वे किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तुरंत पुलिस को दें, जिससे अपराधों की रोकथाम में सहयोग मिल सके। इस दौरान गांव के बेरोजगार युवाओं से रोजगार के अवसरों और विभिन्न रोजगार मॉडल पर चर्चा की गई। साथ ही बढ़ते वाहन उपयोग को देखते हुए यातायात नियमों का पालन करने, नशे की हालत में वाहन न चलाने और ओवरस्पीड से बचने की समझाइश भी दी गई।एसएसपी डॉ. लाल उमेद सिंह ने ग्रामीणों को बताया कि वे जिले के दूरस्थ क्षेत्रों के युवाओं को रोजगार से जोड़ने के लिए पुलिस एकेडमी जैसी पहल शुरू करने की योजना बना रहे हैं। उन्होंने बताया कि पूर्व में कवर्धा जिले में एसपी रहते हुए उन्होंने इस तरह का कार्यक्रम शुरू किया था, जिसके तहत पुलिस भर्ती, आर्मी, बीएसएफ, आईटीबीपी और एसआई की तैयारी करने वाले युवाओं के लिए लाइब्रेरी की सुविधा उपलब्ध कराई गई थी। इस पहल से 1200 से अधिक युवाओं को रोजगार प्राप्त करने में सफलता मिली थी। अभियान के दौरान जब डीआईजी एवं एसएसपी अचानक पुलिस बल के साथ पहाड़ियों से पैदल गांवों में पहुंचे तो ग्रामीण आश्चर्यचकित रह गए। पुलिस अधिकारियों को अपने बीच सक्रिय रूप से देखकर ग्रामीणों का पुलिस के प्रति विश्वास और अधिक मजबूत हुआ तथा उन्होंने पुलिस को हरसंभव सहयोग देने का भरोसा दिलाया। इस सर्च अभियान में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राकेश कुमार पाटनवार, एसडीओपी जशपुर चंद्रशेखर परमा, एसडीओपी कुनकुरी विनोद कुमार मंडावी, थाना प्रभारी सिटी कोतवाली निरीक्षक मोरध्वज देशमुख, थाना प्रभारी नारायणपुर एएसआई उमेश प्रभाकर, थाना प्रभारी सन्ना उपनिरीक्षक संतोष सिंह, चौकी मनोरा प्रभारी उपनिरीक्षक दिनेश पुरैना, साइबर सेल के निरीक्षक आशीष तिवारी सहित पुलिस बल के जवान और नवआरक्षक शामिल रहे।

निरंतर आगे बढ़ ...

बन चुका है। लगभग 8 हजार बच्चे हमारे स्कूल से शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। हमारी जिम्मेदारी है कि हम अपने स्कूल के बच्चों को अच्छी शिक्षा देने के साथ उन्हें अच्छे संस्कार भी दें जिससे वे कल बड़े होकर नेक इंसान बनें। खूब नाम कमाए और जीवन पथ में आगे बढ़ते रहे स्कूली बच्चो को पढ़ाई के साथ अपने संस्कृति को जानना बेहद जरूरी है। अपने माता पिता की बात अवश्य माने सभी पालकों का कर्तब्य है। कि बच्चो को पढ़ाई के साथ सामाजिक रीति रिवाज हमारी संस्कृति से उन्हें लगातार अवगत कराते रहें। नीरज फाउंडेशन स्कूल के डायरेक्टर सन्नी भाटिया और हरनिस कौर के स्कूल के प्रति समर्पण को देख कर बहुत अच्छा लगता है। इसी तरह समर्पित होकर स्कूल में बच्चो की पढ़ाई , खेलकूद में विशेष ध्यान देना बड़ी बात है तभी स्कूल आगे चलकर बड़ा बनता है।

शिक्षक की हार्टअटैक ...

यहां तक कि वहां मौजूद कोई नर्स भी शिक्षक को देखने नहीं पहुंची। ड्यूटी डाक्टर का पता करने पर डॉक्टर संदीप भारतेंदु को 7 बजकर 52 मिनट पर फोन किया गया पर उन्होंने अपनी ड्यूटी नहीं होने की बात कही। फिर शिक्षक के परिवार वालों ने नर्स को ड्यूटी डॉक्टर का पता करने या बुलाने भेजा तो 8 बजे डाक्टर जया परहा नीचे अस्पताल के गेट में पहुंची। डॉक्टर जया परहा से अस्पताल के गेट के पास ही शिक्षक की स्थिति देखने कहा गया लेकिन वे मरीज को देखने या जान बचाने की कोई पहल करने बजाय मौजूद लोगों से बहस करने लगीं। इसके बाद वहां मौजूद डॉक्टर शकुंतला निशाद को बुलाया गया और उन्होंने कार्तिकेश्वर निशाद की मौत की पुष्टि की। अस्पताल की बाकी प्रक्रिया को पूरा करने के लिए वहां मौजूद डॉक्टर जया परहा को कहा गया तो उन्होंने कि मेरा समय खत्म हो चुका है कहकर पल्ला झाड़ लिया।

जशपुर में शोध ...

को शोध में मौलिकता, संदर्भों की शुद्धता, साहित्यिक चोरी से बचाव तथा अकादमिक ईमानदारी बनाए रखने के महत्व को स्पष्ट किया। कार्यशाला के दौरान छात्र-छात्राओं ने अपनी जिज्ञासाओं को व्यक्त किया, जिनका समाधान रिसोर्स पर्सन द्वारा सरल एवं सहज ढंग से किया गया। समापन सत्र में कार्यशाला के संयोजक डॉ. अनिल कुमार श्रीवास्तव ने आयोजन से जुड़े सभी विशिष्ट अतिथियों, संसाधन व्यक्तियों, प्रतिभागियों तथा सहयोगी सदस्यों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि सभी के सामूहिक सहयोग और सक्रिय सहभागिता से यह आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हो सका। कार्यशाला के सफल संचालन और व्यवस्थापन में प्रोफेसर डी. आर. राठिया, डॉ. सरिता निकुंज, डॉ. ज्योति तिर्की, डॉ. यू. एन. लकड़ा, प्रोफेसर जे. आर. भगत, डॉ. जे. पी. कुजूर, प्रोफेसर एस. ई. जी. लकड़ा, सुश्री कीर्ति किरण केरकेट्टा, श्री प्रवीण चंद सतपती, डॉ. हरिकेश कुमार, कु. आइलिन एक्का, श्रीमती प्रिंसी कुजूर, कु. अंजीता कुजूर, श्री लाईजिन मिंज तथा श्री वरुण श्रीवास का उल्लेखनीय योगदान रहा। कार्यक्रम का मंच संचालन रिजवाना खातून एवं गौतम कुमार सूर्यवंशी ने कुशलतापूर्वक किया, जिससे संपूर्ण आयोजन क्रमबद्ध एवं प्रभावशाली बना रहा। विशेष उल्लेखनीय है कि यह शोधशाला हाइब्रिड स्वरूप में महाविद्यालय में पहली बार आयोजित की गई थी। इसमें विभिन्न संकायों के लगभग 200 विद्यार्थियों ने प्रत्यक्ष उपस्थिति दर्ज कराई, जबकि 600 से अधिक छात्र-छात्राएं आभासी माध्यम से इससे जुड़े। विद्यार्थियों की उत्साहपूर्ण सहभागिता ने कार्यशाला को अत्यंत सफल, उपयोगी तथा प्रेरक बना दिया।

डायबिटीज
के मरीजों के घावों की प्लास्टिक सर्जरी (स्कीन ग्राफ्टिंग) की विशेष सुविधा.

कालड़ा प्लास्टिक कॉस्मेटिक सर्जरी एवं बर्न सेंटर
आर.के.सी. के सामने, जी.ई. रोड, चौबे कालोनी एवं गंगा डायग्नोस्टिक्स के उपर, कलर्स माल के पास, पचपेढ़ी नाका, रायपुर (छ.ग.)
Mobile 9827143060
Ajay Advt.

आप कितने स्वस्थ हैं? जानिएं
एक नियमित वेलनेस चेकअप आपके आज को सुरक्षित और कल को मजबूत करता है
वेलनेस गोल पैकेज ₹1500/- (20 से 40 साल की उम्र के लिए)
वेलनेस जर्नी पैकेज ₹2000/- (40 से 60 साल की उम्र के लिए)
• प्रत्येक शुक्रवार एवं शनिवार • सीमित सीट
रजिस्ट्रेशन के लिए संपर्क करें 9109956720 9926386660
Care With Confidence
सुयश हॉस्पिटल
कोटा-गुढ़ियारी रोड़, होटल पिकाडली के पीछे, रायपुर
Ajay 9827144371

online Booking:-www.tripuryatra.com

रामेश्वरम् धाम यात्रा
21 अप्रैल, 28 अप्रैल, 19 मई, 02 जून 2026 (10 दिन)
श्री रामेश्वरम् धाम ज्योतिर्लिंग, श्री तिरूपति बालाजी, श्री मल्लिकार्जुन ज्योतिर्लिंग, मदुरै श्री मीनाक्षीदेवी, श्री कन्याकुमारी, त्रिवेन्द्रम (पद्मनाभ स्वामी)
राशि:- स्लीपर 14,900/-, 3 एसी-23,900/-, 2 एसी 28,900/- (+5% GST)
Since-2007
Jai Mata Di — Shree Tripur Tirth Yatra Samiti
श्री त्रिपुर तीर्थ यात्रा सेवा समिति
RAIPUR- D-36, Sector-4, Kamal Vihar, KORBA- Shop No. 301,302,303 S.S. Plaza, Power House Road
संपर्क करें:-7354-411411

DR. ABHIMANYU'S AYURVEDA MULTISPECIALITY HOSPITAL
PAIN | PANCHKARMA | PILES | PEDIA | GYNAE | SKIN
छत्तीसगढ़ का प्रथम 20 बिस्तरीय हॉस्पिटल जो की पूर्ण रूप से आयुर्वेदिक उपचार को समर्पित
सेक्टर -7 कमल विहार, रायपुर (छ.ग.) 95224-66664, 62622-22003
सिटी सेन्टर - कृष्णा टॉकीज के सामने, समता कॉलोनी रायपुर (छ.ग.) 9826446666
समस्त रोगों का आयुर्वेदिक पद्धति द्वारा इलाज
• हड्डी एवं जोड़ों का दर्द • नसों का रोग • त्वचा एवं बालों का रोग • स्त्री रोग • मानसिक रोग • मूत्र संबंधी रोग • मधुमेह (डायबिटीज़) • नेत्र रोग • किडनी संबंधी रोग • पेट संबंधी विकार • थायराइड • अस्थमा • मोटापा • मांसपेशी का रोग • मल द्वार रोग विशेषज्ञ
प्रदेश के समस्त शासकीय अधिकारी/कर्मचारी एवं इनके परिवार के आश्रित सदस्यों के उपचार उपरांत प्रतिपूर्ति (MEDICAL REIMBURSEMENTS) हेतु छ.ग. शासन से मान्यता प्राप्त